E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 45 | प्रयागराज, गुरूवार 23 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने पाकिस्तान की अपील पर एक तरफा सीजफायर बढ़ाया, ट्रम्प बोले- अभी वहां हमले नहीं करेंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके। ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी।उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती,

चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- ट्रम्प की धमकी: ईरान को चेतावनी दी कि अगर पीस डील नहीं हुई, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और आदेश मिलते ही कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने कहा कि सीजफायर आगे नहीं बढ़ाएंगे। होर्मुज खुलवाने पर बैठक: होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए यूके-फ्रांस ने 30 देशों की बैठक बुलाने का फैसला किया है। लंदन में आज यह बैठक होगी। वेंस की पाक यात्रा टली: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा टाल दी गई है। ईरान ने बातचीत के लिए डेलिगेशन को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। हूती विद्रोहियों की चेतावनी: यमन के हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि जंग अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बना सीजफायर कमजोर है। इसलिए आगे बड़ा संघर्ष होना तय है।फ्रांस की कड़ी टिप्पणी: राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी को अमेरिका की गलती बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद ईरानी अधिकारियों ने अपना शुरुआती रुख बदल लिया। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने अमेरिका की ओर से सीजफायर बढ़ाने के फैसले का स्वागत किया है।

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन में मारा गया मोसाद एजेंट मिस्टर 'एम', इजरायल ने कबूला दुर्लभ सच

तेल अवीव। मोसाद ने पहली बार स्वीकारा है कि मोसाद का एक एजेंट ईरान के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान विदेश में मारा गया। इस एजेंट की पहचान मिस्टर 'एम' के तौर पर हुई है। डेविड बार्नेया ने यह नहीं बताया कि 'एम'. कौन था, वह कब मारा गया, या किस घटना के दौरान उसकी मौत हुई। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि मिस्टर 'एम' किस जगह मारा गया। बस इतना बताया कि वह इजरायल की सीमाओं के बाहर शहीद हुआ था। मिस्टर 'एम' की मौत का समय अभी भी साफ नहीं है। मोसाद चीफ के इस बयान के बाद इजरायली मीडिया ने बताया कि एजेंट मिस्टर 'एम' की मौत 2023 में इटली में हुई थी। उस समय वह ईरान को आधुनिक हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इटली की खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर काम कर रहे थे। खबरों के मुताबिक, उनकी मौत लेक मैगियोरे में हुई थी, जब उनकी नाव डूब गई थी। इस हादसे में उनकी, इटली की खुफिया एजेंसी के दो सदस्यों और नाव के कप्तान की पत्नी की जान चली गई थी। बताया जाता है कि उसी साल बाद में उन्हें एशकेलोन में दफना दिया गया था। मंगलवार को बार्निया का भाषण मोसाद एजेंट 'एम' की मौत के बारे में पहली सार्वजनिक जानकारी थी। इजरायल सार्वजनिक तौर पर अपने खुफिया एजेंटों की मौत की जानकारी को छिपाए रखता है। मोसाद एजेंट की मौत का कबूलनामा इजरायल के इतिहास में काफी दुर्लभ घटना मानी जाती है।

जापान दूसरे देशों को घातक हथियार बेचेगा,50 साल बाद नीति में बदलाव किया, ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 अरब डॉलर का एमओयू

टोक्यो। जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वॉरशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा।मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा। उन्होंने कहा कि हथियार सिर्फ उन देशों को दिए जाएंगे जो यूएन चार्टर (संविधान) के मुताबिक उनका इस्तेमाल करने का वादा करेंगे। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई देश जापानी हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हाल ही में जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ है। इसके तहत मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए 11 में से पहले 3 वॉरशिप बनाएगी। इससे पहले 1976 में लागू प्रावधानों के तहत जापान सिर्फ गैर-घातक सैन्य उपकरण ही निर्यात कर सकता था। इनमें निगरानी और माइन स्वीपिंग जैसे उपकरण शामिल थे। जापान की 'शांतिवादी नीति' क्या थी सेकेंड वर्ल्ड वॉर और हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमले के बाद जापान ने तय किया कि वह युद्ध से दूर रहेगा। संविधान के आर्टिकल 9 में साफ लिखा गया कि जापान युद्ध नहीं करेगा और सेना सिर्फ आत्मरक्षा तक सीमित रहेगी। इसी वजह से जापान ने सेल्फ डिफेंस फोर्स बनाई। 1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी। हालांकि 2014 में थोड़ी ढील दी गई लेकिन सख्त सीमाएं बनी रहीं। अब नए फैसले में जापान ने अपनी शांति नीति में बड़ा बदलाव किया है। 17 देश जापान से हथियार खरीद सकते हैं-अल जजीरा के मुताबिक, इस फैसले के तहत कम से कम 17 देश जापान से हथियार खरीद सकेंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। अगर और देश जापान के साथ समझौते करते हैं तो यह सूची बढ़ सकती है।वहीं, जापानी अखबार असाही के मुताबिक जापान उन देशों को हथियार नहीं बेचेगा जहां फिलहाल युद्ध चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो तो इसमें छूट दी जा सकती है। बदलते सुरक्षा माहौल का असर-बदलते सुरक्षा हालात की वजह से यह बदलाव लाया गया हैं। खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती ताकत, उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे घटनाक्रम इसकी बड़ी वजह माने जा रहे हैं।अब जापान सिर्फ शांतिवादी देश नहीं रहना चाहता बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा में एक सक्रिय और जिम्मेदार साझेदार बनना चाहता है। अल जजीरा के मुताबिक, ताकाइची ने इस फैसले को बदलते वैश्विक हालात से जोड़ा। उनके अनुसार, मौजूदा समय में कोई भी देश अकेले अपनी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता इसलिए सहयोग और साझेदारी जरूरी हो गई है। जापान के डिफेंस इंडस्ट्री को क्या फायदा होगा- जापान के इस फैसले को सिर्फ विदेश नीति का बदलाव नहीं, बल्कि उसके डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। दशकों तक हथियार निर्यात पर रोक होने की वजह से जापान की रक्षा कंपनियां घरेलू ऑर्डर तक सीमित थीं जिससे उनकी ग्रोथ धीमी रही। अब यह बाधा हटने से कंपनियों के लिए वैश्विक बाजार खुल गया है जिससे घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को स्केल (पैमाना) बढ़ाने का मौका मिलेगा। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जापानी कंपनियों को बड़े पैमाने पर नए ग्राहक मिलेंगे। अभी तक अमेरिका, रूस और यूरोपीय देशों का हथियार बाजार पर दबदबा था, लेकिन अब जापान भी इसमें एंट्री कर रहा है। रोजगार और इकोनॉमी पर भी इसका असर पड़ेगा। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में नई नौकरियां बनेंगी, सप्लाई चेन मजबूत होगी और छोटे-छोटे सप्लायर भी इस इकोसिस्टम से जुड़ेंगे। इससे जापान की अर्थव्यवस्था को भी सपोर्ट मिलेगा।

अल नीनो की आशंका ने डराया, मचा सकता है 1876 से ज्यादा तबाही

वॉशिंगटन। दुनिया पर आने वाले कुछ महीनों में ऐसी प्राकृतिक आपदा का संकट गहरा रहा है, जो भारी तबाही की वजह बन सकता है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगले साल, 2027 में शक्तिशाली अल नीनो बड़े पैमाने पर नुकसान कर सकता है। अनुमानों से पता चलता है कि यह 1877-78 के विनाशकारी अल नीनो से ज्यादा बर्बादी ला सकता है। यह दुनिया के बड़े हिस्से में सूखे और अकाल जैसी स्थिति की वजह बन सकता है। इससे भारत भी काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। करीब 150 साल पहले 1877-78 में आए अल नीनो ने दुनिया के बड़े हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ी थी। लंबे समय तक सूखा रहा था और फसलों की बर्बादी से अकाल पड़ा था। उस समय इतने बड़ी तादाद में मौतों हुई थीं कि दुनिया की कुल आबादी का फीसदी खत्म हो गया था। इसे इतिहास में दर्ज सबसे भयावह जलवायु घटनाओं में गिना जाता है। एक्सपर्ट का कहना है कि जलवायु मॉडल चिंताजनक संकेत दे रहे हैं। प्रशांत महासागर का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि हाल के मॉडल रन समुद्र की सतह के तापमान में तेजी से वृद्धि दिखा रहे हैं। यह अल नीनो के बनने का सबसे खास संकेत है। इस तीव्रता ने वैज्ञानिकों को चिंतित किया है क्योंकि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं तो एक 'मेगा' या 'सुपर' अल नीनो बन सकता है। अल नीनो का बनना, खासतौर से मेगा या सुपर अल नीनो वैश्विक मौसम प्रणालियों को बहुत ज्यादा बाधित करेगा। ऐसी घटना चल रहे जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर 2027 तक वैश्विक तापमान को नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकती है। तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाने से सूखा पड़ेगा और दुनियाभर में खाद्यान्न का संकट गहरा जाएगा। अल नीनो, अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO) चक्र का एक हिस्सा है। यह तब होता है, जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यह गर्मी वायुमंडलीय परिसंचरण के पैटर्न को बदल देती है। इससे मानसून प्रणालियां कमजोर हो जाती हैं और गर्मी का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ जाती है। गर्मी के बढ़ने से महाद्वीपों में वर्षा का वितरण बदल जाता है। अल नीनो की शुरुआत प्रशांत महासागर में होती है लेकिन इसके प्रभाव पूरी दुनिया में होते हैं। इससे भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिणी और मध्य अफ्रीका, और अमेजन बेसिन में भीषण गर्मी और जंगल की आग का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर अमेरिका के कुछ हिस्सों- विशेष रूप से दक्षिणी भाग में भारी वर्षा और बाढ़ आ सकती है। उत्तरी अमेरिका में ज्यादा गर्मी देखने को मिल सकती है। अल नीनो का भारत पर सीधा असर होगा। भारत की कृषि और जल संसाधन मानसून पर निर्भर करती है। अल नीनो इस पर सीधा असर डालेगा। इससे उत्तरी, मध्य और पूर्वी भारत में भयंकर और लंबे समय तक लू चल सकती है। साथ ही मॉनसून के मौसम में सामान्य से कम बारिश हो सकती हैं। इस घटना से फसलों की पैदावार कम हो जाएगी और और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के चलते भारत में पहले ही तापमान बढ़ रहा है। अल नीनो की वजह से गर्मी और ज्यादा बढ़ जाएगी। इससे मौसम की स्थिति ऐसी हो जाएगी कि अकाल जैसी सूरत बन सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस घटना को पक्के तौर पर मेगा अल नीनो कहना जल्दबाजी होगी लेकिन इसके संकेत इतने मजबूत हैं कि उन पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। विशेषज्ञों ने इसकी तैयारियों की जरूरत पर जर जर दिया है। इन तैयारियों में गर्मी से निपटने की मजबूत कार्य योजना, बेहतर जल प्रबंधन और बेहतर सिंचाई व्यवस्था शामिल है।

'पाकिस्तान डबल गेम खेल रहा', ईरान की सरकारी मीडिया ने की असीम मुनीर की करी तीखी आलोचना

तेहरान। ईरान ने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर को अमेरिका का आदमी बताया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब ईरान की सरकारी मीडिया ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। ईरान की सरकारी मीडिया में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान 'डबल गेम' खेल रहा है और वो निष्पक्षता का दिखावा करता है लेकिन वो अमेरिका की तरफ झुका हुआ है। इसमें कहा गया है कि असीम मुनीर ईरानी नेताओं से निजी संपर्क होने का ढोंग कर रहे हैं लेकिन असल में वो अमेरिका के लिए काम कर रहे हैं। ईरान की सरकारी मीडिया से पाकिस्तान के फील्ड मार्शल की उस वक्त तिखी आलोचना की गई है जब इस्लामाबाद में दूसरे राउंड की वार्ता टूट गई है। ईरानी प्रतिनिधियों ने इस्लामाबाद आने से साफ इनकार कर दिया जबकि खुद असीम मुनीर पिछले हफ्ते तेहरान गये थे। ईरान के सरकारी चैनल पर ईरानी विश्लेषकों का कहना है कि जनरल असीम मुनीर ने तेहरान का दौरा किया था और उन्हें व्यक्तिगत रूप से ईरान का औपचारिक मसौदा संयुक्त राज्य अमेरिका तक पहुंचाने का काम सौंपा गया था लेकिन बाद में असीम मुनीर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।पाकिस्तान और असीम मुनीर की नीयत पर तो खैर पहले से ही सवाल उठ रहे थे और निष्पक्ष एनालिस्ट का मानना था कि ईरान को धोखा दिया जा रहा है लेकिन वो ईरानी अधिकारी ही थे जो अभी तक पाकिस्तान की तारीफ कर रह थे। लेकिन अब शायद तेहरान की आंख खुल रही है। ईरानी मीडिया का आरोप है कि पाकिस्तान ने ईरान के 10-सूत्रीय ढांचे को जिसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से स्वीकार किया गया था, उसे नजरअंदाज कर दिया है और इसके बजाय आक्रामक रूप से 15 से 16 नई अमेरिकी मांगों को आगे बढ़ा रहा है। इसका कहना है कि पाकिस्तान अमेरिका की मांगों को आक्रामक तरीके से ईरान के सामने आगे बढ़ा रहा है। ईरानी विश्लेषकों का देश की नेशनल टीवी पर कहना है कि पाकिस्तान अमेरिका की प्राथमिकताओं और शर्तों को आगे बढ़ा रहा है और वो एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में काम नहीं कर रहा है बल्कि कूटनीति की आड़ में ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कमजोर करने का काम कर रहा है। आपको बता दें कि तुर्की और सऊदी अरब देश ईरान को कमजोर देखना चाहते हैं और सऊदी ने तो ईरान पर हमला करने के लिए ट्रंप पर भारी दबाव भी बनाया था। जिस दिन असीम मुनीर तेहरान गये थे उस दिन प्रेस टीवी ने लिखा था कि 'पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर अमेरिका का संदेश देने तेहरान आए हैं।' ईरानी मीडिया का कहना है कि पाकिस्तानी सेना का मीडिया तंत्र आईएसपीआर ईरान के खिलाफ एक भ्रामक अभियान भी चला रहा है और माहौल को अपने पक्ष में ढालने की कोशिश कर रहा है। ईरानी विश्लेषकों ने पाकिस्तान के सार्वजनिक संदेशों की कड़ी आलोचना की है जिसमें अल जजीरा की रिपोर्टों का इस्तेमाल करके जल्द ही होने वाली वार्ताओं की छवि पेश करना भी शामिल है।इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने चीजों को ऐसे पेश किया जैसे ईरान इस्लामाबाद वार्ता में नहीं आकर गुनाह कर रहा है। वो जानबूझकर ईरान को कनफ्यूज दिखाने की कोशिश कर रहा था और जमीन पर बिना किसी डेवलपमेंट के उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है ताकि ईरान को लेकर गलत धारणा बने। पाकिस्तान ने ईरान को बदनाम करने के लिए फर्जी रिपोर्ट्स दिखाए और एक नकली कूटनीतिक स्थिति पैदा करने की कोशिश की।

फ्रांस के पास खुद होंगे सिर्फ 47 तो भारत को कब मिलेंगे 24 'सुपर राफेल' एफ-5? पेरिस के रक्षा बजट से उठे सवाल

पेरिस। फ्रांस ने अपनी सेना को आधुनिक खतरों से निपटने के लिए 'मिलिट्री प्रोग्रामिंग लॉ' यानि एलपीएम अपडेट तैयार किया है। ये प्रोग्राम 2024-2030 के लिए है। इस प्रोग्राम के तहत 36 अरब यूरो खर्च किए जाएंगे। ये रिपोर्ट फ्रांसीसी विश्लेषणात्मक संसाधन 'Let's Talk Deterrence' पर प्रकाशित की गई है। इस नये संशोधन के बाद फ्रांस का वार्षिक रक्षा बजट 2030 तक बढ़कर 76.3 बिलियन यूरो हो जाएगा जो 2017 के स्तर से लगभग दोगुना है। इस बजट से फ्रांस अपने परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करेगा और स्ट्रैटजिक फोर्स को आधुनिक करेगा। इस अपडेट में तोपखाने के गोला-बारूद, मिसाइलों और हवाई रक्षा प्रणालियों के भंडार में वृद्धि करने की भी बात कही गई है। लेकिन भारत की नजर राफेल लड़ाकू विमान को लेकर है। भारत फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए बात कर रहा है और इस सौदे के तहत कम से कम 24 राफेल एफ-5 वेरिएंट होंगे। ये एक अत्याधुनिक फाइटर जेट

होगा जिसे अभी फ्रांस बनाना शुरू ही किया है। संयुक्त अरब अमीरात के हटने के बाद राफेल एफ-5 प्रोजेक्ट को बनाने की जिम्मेदारी अब पूरी तरह से फ्रांस पर है। उसे इस प्रोग्राम के बजट को लेकर हाथ पैर मारने होंगे। नये प्रोग्राम के तहत फ्रांस हवाई सुरक्षा में खास तौर पर SAMP/T NG सिस्टम के डेवलपमेंट में अतिरिक्त 1.6 बिलियन यूरो का निवेश किया जाना है। मानव रहित और रोबोटिक प्रणालियों के लिए लगभग 2 बिलियन यूरो निर्धारित किए गए हैं। फ्रांस राफेल एफ5 लड़ाकू विमान के विकास में भी तेजी जाएगा जिसके 2030 के दशक की शुरुआत में सेवा में आने की उम्मीद है। इस प्लान के मुताबिक फ्रांस अपनी वायुसेना, स्पेस फोर्स और फ्रांसीसी नौसेना को 47 राफेल एफ-5 सौंपेगा। राफेल एफ-5 का शुरूआती प्रोडक्शन उतनी तेज रफ्तार से नहीं हो पाएगी इसीलिए सवाल ये है कि अगर फ्रांस खुद 2035 तक 47 राफेल एफ रखेगा तो फिर भारत को 24 राफेल एफ 5 कब मिलेंगे? हालांकि 36 राफेल के लिए जब 2018 में समझौता किया गया था तब फ्रांस ने तय समय पर सारे राफेल सौंप दिए थे। कुछ राफेल के पहुंचने में करीब 6 महीने की देरी हुई थी लेकिन उसमें कुछ पुर्जों का तय वक्त पर भारत से फ्रांस नहीं पहुंचना भी शामिल था।

नेपाल में बालेन शाह पर फूटा गुस्सा, भारत से आ रहे चिप्स के पैकेट भी किए जा रहे जब्त, हर तरफ नाराज़ लोग

काठमांडू। नेपाल में भारतीय सामानों पर कस्टम ड्यूटी पर सख्ती किए जाने के बाद कई जगहों पर प्रदर्शन शुरू हो गये हैं। भारत के 100 रुपये से ज्यादा के सामानों पर कस्टम ड्यूटी लागू कर दिए गये हैं। हालांकि ये नियम 2023 का है लेकिन बालेन शाह की सरकार ने इसे सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। ऐसे में नेपाल के वो लोग जो दवाएं, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और शादी का सामान खरीदने सीमावर्ती भारतीय इलाकों में आते हैं उन्हें बड़ा झटका लगा है। बॉर्डर पार करते समय सख्त चेकिंग हो रही है और हैरानी की बात ये है कि चिप्स और बिस्किट के पैकेट भी जब्त किए जा रहे हैं। बालेन शाह सरकार के इस फैसले के खिलाफ सीमावर्ती जिलों में प्रदर्शन शुरू हो गया है। दरअसल नेपाल के लोगों के लिए भारतीय सामान उनके अपने देश में मिलने वाले सामान के मुकाबले सस्ता होता है। लेकिन अब सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले नेपाल के लोग बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन कर

रहे हैं। भारत-नेपाल सीमा दुनिया की सबसे खुली अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है। नेपाल की बालेन शाह सरकार ने भारत से आयात किए जाने वाले 100 नेपाली रुपये यानी 63 भारतीय रुपये से ज्यादा कीमत के सामान पर अनिवार्य कस्टम ड्यूटी लगा दी है। बताया जा रहा है कि सामान के प्रकार के आधार पर यह कस्टम ड्यूटी 5फीसदी से लेकर 80फीसदी तक हो सकती है। नेपाल और भारत की सीमा पर हर दिन हजारों लोग आवाजाही करते हैं ऐसे में सामानों की तलाशी में लोगों को घंटों तक लाइन में लगा रहना पड़ता है जिससे लोगों का गुस्सा भड़का हुआ है। एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए नेपाल प्लानिंग कमीशन के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. गोविंद पोखरेल ने कहा है कि 'ये नियम 2023 में बनाया गया था जिसे अब सख्ती से लागू किया गया है। लेकिन 100 रुपये की सीमा रेखा रखना गलत है। इससे दिहाड़ी मजदूरों पर सीधा असर पड़ता है। इसी सीमा को बढ़ाकर कम से कम 1000 रुपये किया जाना चाहिए क्योंकि आजकल 100 रुपये में क्या ही आता है।' प्रदर्शनकारियों में से एक ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया 'यहा नेपाल में जन्म से लेकर मृत्यु तक होने वाले रीति-रिवाजों के लिए हम सभी जरूरी चीजें वहां (भारत) से लाते हैं। यहां तक कि खाद भी जिसे नेपाल सरकार कभी-कभी समय पर उपलब्ध नहीं करा पाती, उसे हम भारत से ही मंगाते हैं। अब हालात बदल गए हैं। यह एक अघोषित नाकेबंदी है।' ये विरोध प्रदर्शन नेपाल के सीमावर्ती शहर बीरगंज और राजधानी काठमांडू में हुए हैं। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले नेपाली निवासियों ने कहा कि इस कदम से 'उनकी ज़िंदगी पर सीधा असर पड़ेगा' क्योंकि वे 'रोजमर्रा की चीजों के लिए सीमा पार से खरीदारी पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं।' प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस फैसले से आर्थिक बोझ काफी ज्यादा बढ़ गया है। नेपाली नागरिकों के नेपाल के सुरक्षा और कस्टम अधिकारियों के साथ भारत से सामान लाने-ले जाने को लेकर बहस करते हुए वीडियो सामने आ रहे हैं। इसके अलावा भारतीय दुकानदार, ऑटो-रिक्शा, टैक्सी ड्राइवर नेपाल से आने वाले लोगों की भारी भीड़ की वजह से अपनी कमाई करते थे और अब बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार की तरफ से कस्टम ड्यूटी को सख्ती से लागू किए जाने के बाद भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बाजारों में आने वाले लोगों की संख्या में कथित तौर पर भारी गिरावट आई है। राष्ट्रीय एकता दल के अध्यक्ष बिनय यादव ने नेपाल सरकार के इस कदम को 'अघोषित नाकेबंदी' बताया। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक उन्होंने कहा 'यह कदम 1950 की शांति और मैत्री संधि के प्रावधानों के खिलाफ है। सरकार को घरेलू सामानों पर लगी कस्टम सीमा को तुरंत हटा देना चाहिए और सुरक्षाकर्मियों को निर्देश देना चाहिए कि वे नागरिकों के साथ मित्रवत व्यवहार करें।'

'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को पोषण पोटली की गई वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिला क्षय

रोग विभाग की अगुवाई में टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विभागों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। भारत सरकार के 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक ने 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की और जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओलंपियन पद्मश्री सुधा सिंह ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच, नियमित दवा और उचित पोषण से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा मरीजों के साथ भेदभाव न करते हुए सहयोग करें। उपचार' यही इस अभियान की सफलता का मूल मंत्र है। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजभानु सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि 'निक्षय मित्र' बनकर पोषण पोटली वितरण करना बैंक के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय है। यह पहल मरीजों को पोषण के साथ-साथ मानसिक संबल भी प्रदान करती है। उन्होंने सभी संस्थाओं से इस अभियान में जुड़कर अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाने का आह्वान किया।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है तथा चलित एक्स-रे वाहन के माध्यम से जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील की। डॉ. संजीव लक्षण, जांच एवं उपचार पर प्रकाश डालते हुए समय पर इलाज को आवश्यक बताया। इसके अतिरिक्त अधिवक्ता शेखर शुक्ला, समाजसेवी विवेक मिश्रा, आशीष मिश्रा, अनुराग मिश्रा, अभय मिश्रा, विक्रांत गुप्ता, मनीष श्रीवास्तव, अतुल वर्मा, वरुण शर्मा, अरुण देवानंद प्रजापति ने भी अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश टीबी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र ने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका इस अभियान में अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी के सहयोग से ही टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया और सामूहिक प्रयासों से टीबी मुक्त भारत बनाने का संकल्प दोहराया गया। जायसवाल, डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. मनीष सिंह चौहान ने भी टीबी के

30प्र0 पुलिस में होमगार्ड्स के पदों पर इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में

कलेक्ट्रेट सभागार में 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा 30प्र0 पुलिस में होमगार्ड्स के पदों पर इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा को शुचितापूर्ण, नकलविहीन, निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पाली में प्रथम पाली समय प्रातः 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक व द्वितीय पाली समय अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक जनपद के 10 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। जनपद में प्रत्येक पाली में कुल 3504 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं परीक्षा को शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ससमय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी0सी0टी0वी0 कन्ट्रोल रूम इत्यादि का निरीक्षण करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर का भ्रमण कर आवागमन के मार्गों तथा विशेष परिस्थितियों में प्रयुक्त होने वाले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी ससमय अवश्य कर लें। सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान केन्द्र व्यवस्थापक से समन्वय बनाते हुए परीक्षा केन्द्र पर समस्त व्यवस्थाएं एवं औपचारिकताएं पूर्ण करायेंगे। केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सहायक केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक व कार्यदायी संस्था (गोपनीय), कार्यदायी संस्था (सुरक्षा), के प्रतिनिधि, तैनात पुलिस बल से समन्वय स्थापित कर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराकर 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप ससमय अनुपालन कराते हुए परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः त्रुटिरहित अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, जिला समन्वयक परीक्षा संचालन डॉ श्रीकांत उपाध्याय, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहें।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रयागराज में हनुमंत कथा-उमड़ा जनसैलाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बागेश्वर

धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रयागराज में आज से हनुमंत कथा है। वह बमरौली एयरपोर्ट पर हेलिकॉप्टर से पहुंचे। यहां से करेलाबाग तक कार, फिर यमुना में स्टीमर से अरैल सेल्फी प्वाइंट पहुंचे। धीरेंद्र शास्त्री के पहुंचने पर भक्तों ने बागेश्वर बाबा के जयकारे लगाए। कथा से पहले धीरेंद्र शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एक दिन जरूर रुद्राभिषेक होगा। काशी विश्वनाथ जी के बगल में जो कलंक लगा है, वह मिटेगा। हमें मंदिरों में भीड़, सड़कों पर तूफान चाहिए। राम राज्य से भरा हिंदुस्तान चाहिए। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। बरेली के एक मौलाना की ओर से विरोध के सवाल पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- समय-समय का खेल है।

दो कौड़ी के लोग करोड़ों में बिकने लगते हैं। उन्होंने राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे मंदिर बना, वैसे ही एक दिन ज्ञानवापी पर भी भगवा लहराएगा।

सर्व वैश्य चेतना जागरण महासंघ भारत ने भा0ज0पा0 को दिया समर्थन और पश्चिमी बंगाल राज्य विधान सभा चुनाव में भा0ज0 पा0 सरकार बनाने का हुकार भरा अम्बिका प्रसाद गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उपरोक्त महासंघ भारत ने प. बंगाल राज्य के वि.स. चुनाव मे भाजपा को समर्थना देने की घोषण किया है। आज की बैठक राष्ट्रीय प्रवक्ता रामलखन वर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में जार्ज टाउन केन्द्रीय कार्यालय में सम्पन्न हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि अम्बिका प्रसाद गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मा0 प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का विकास तेजी से हो रहा है इसलिए बंगाल वि0स0 चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने के लिए भाजपा को समर्थना देने का निर्णय लिया गया हैं उपरोक्त संगठन के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगणों ने बंगाल राज्य के सभी मतदाताओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने का काम करें और सभी मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें ताकि भाजपा की सरकार पश्चिमी बंगाल राज्य में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाया जा सके। अम्बिका प्रसाद गुप्ता ने सरकार बनाने का दावा आज की बैठक में हुकार भरा है। विशिष्ट अतिथि गोपाल नाथ योगी महाराज ने कहा कि उपरोक्त संगठन का उद्देश्य देश की अखण्डता, मानवता, सामानता, बंधुतता एवं नागरिकता को मजबूत करना है और देश का मा0 प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मा0 गृहमंत्री अमित शाह जी को पश्चिमी बंगाल राज्य में सरकार बनाने आशीर्वाद देता हूँ। उपरोक्त संगठन के महिला अध्यक्षा मीना देवी कसौधन पश्चिमी बंगाल की आज की बैठक में शामिल हुई और कहा कि देश के लिए मा0 नरेन्द्र मोदी जी और मा0 अमित शाह जी की जरूरत हैं। इस बार बंगाल राज्य में भारी बहुमत से सरकार बनायी जा रही है। बंगाल के सभी मतदाता कमल का बटन दबाएगें और कमल खिलाने का काम मजबूती से किया जा रहा हैं। आज की बैठक में देश के कोने-कोने से आये प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार रामलखन साहू महिला राष्ट्रीय प्रमुख अध्यक्ष श्रीमती शैल शास्त्री, उपाध्यक्षा ऐश्वर्या वेशरवानी एडवोकेट प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य मुकेश कुमार गुप्ता, दिलीप जायसवाल एडयोवेकट, आर0एल0 वर्मा एडवोवेकट, जी0एन0 शाह एडवोकेट (हाई कोर्ट) महिला प्रमुख श्रीमती बबली साहू, राजन अग्रहरी, त्रिभुवन नाथ गोयल, राधेश्याम खण्डेवाल, रमेशचन्द खण्डेवाल, देवदास मराठा, शैलेन्द्र राठौर, महेश मराठा, एकनाथ राठौर श्रीमती एमडी देवी बंगाल, डॉ. सुधांशु बंगाली नरेन्द्र गुप्ता, बनवारी लाल प्रधान आदि समेत सैकड़ो पदाधिकारी और सैकड़ों सदस्यगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम के दौरान संगठन की गतिविधियों को लेकर उत्साह और एकजुटता का माहौल देखने को मिला।

पृथ्वी को बचाना हर एक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी - सिस्टर डॉ. शमिथा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बेथानी कॉन्वेंट स्कूल

में सिस्टर डॉ. शमिथा के नेतृत्व में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिस्टर डॉ. शमिथा द्वारा मंच पर गमले में पौधा रोपण कर की गई, जहाँ उन्होंने बच्चों को सही तरीके से पौधा लगाने की प्रक्रिया सिखाई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना और पर्यावरण की रक्षा करना हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों को जागरूक करते हुए यह भी बताया कि हमें प्लास्टिक का उपयोग शून्य (0फीसदी) तक कम करना चाहिए तथा पेड़ों की कटाई रोकनी चाहिए, जिससे पृथ्वी का पर्यावरण स्वच्छ और सुरक्षित बना रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने Save Earth विषय पर एक भावनात्मक नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया, जिसे देखकर कई बच्चों की आँखें नम हो गईं। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा पृथ्वी संरक्षण की शपथ लेने और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में वाइस प्रिंसिपल सिस्टर ग्रेसी टेरेसा सिंह, दीपक कुमार, मोहम्मद साबिर, रक्षा खरे, अनुराधा द्विवेदी सहित लगभग 1000 विद्यार्थियों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जोन गंगानगर, कमिश्नरेट प्रयागराज

थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अवैध देशी बम बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पुलिस अकरम निवासी बेगम बाजार बमरौली थाना पूरामुफ्ती पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 25 वर्ष। पंजीकृत

आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान बीते मंगलवार को अभियुक्त मो0 वैश कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत गिरधरपुर गोइवा के पास से 04 अवैध देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना होलागढ़ पर मु0अ0सं0-35/2026 धारा-4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- मो0 वैश पुत्र मो0 अकरम निवासी बेगम बाजार बमरौली थाना अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-35/2026 धारा-4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। बरामदगी का विवरण-04 अवैध देशी बम। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 हरिशंकर पाण्डेय, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. हे0का0 कमलेश यादव, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. का0 नन्द किशोर, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज।

अन्य पिछड़े वर्ग की पुत्रियों की शादी हेतु शादी अनुदान पोर्टल पर करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रायबरेली मोहन त्रिपाठी ने बताया है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण अनुभाग-2 के शासनादेश द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियो की पुत्रियो की शादी हेतु अनुदान उपलब्ध कराने के लिए नियमावली/शासनादेश निर्गत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में आधार प्रमाणीकरण/ई0के0वाई0सी0 लागू की गयी है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने से पूर्व अपने आधार कार्ड, पुत्री का आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर तथा जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, बैंक खाते की पासबूक एवं शादी का कार्ड आदि अभिलेख होना आवश्यक है। आवेदक (माता-पिता/अभिभावक) शादी अनुदान पोर्टल http://shadianudan.upsdc.gov.in पर अपने रजिस्ट्रेशन हेतु अपना आधार नंबर अंकित कर आधार अभिप्रमाणन की प्रक्रिया शुरू करेगा। शादी अनुदान पोर्टल पर आवेदक तथा पुत्री दोनों का आधार आधारित ई-के0वाई0सी0 सुनिश्चित किया जायेगा। आधार का अभिप्रमाणन पूर्ण होने के उपरान्त प्राप्त रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं मोबाइल पर प्राप्त ओ0टी0पी0 के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी। शासनादेश द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजनान्तर्गत आवेदकों की आय सीमा में संशोधन किया गया है। जिसके अनुसार शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र में आवेदक की आय रू0 1.00 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगी। उन्होंने बताया कि शादी अनुदान योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिवस पूर्व तथा 90 दिवस पश्चात तक ही स्वीकार्य है। किंतु उक्त अवधि की गणना वित्तीय वर्ष अर्थात 01 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य होगी। पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो। एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा। पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला एवं दिव्यांग आवेदको को वरीयता प्रदान की जायेगी। शादी अनुदान की धनराशि नियमानुसार पात्र लाभार्थियों के खातों में रू0 20000.00 ई पेमेंट के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। योजनान्तर्गत पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति उक्त शादी अनुदान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवेदन की हार्डकॉपी समस्त संलग्नको सहित सम्बन्धित तहसील अथवा विकास खण्ड में जमा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद को 1448 लाभार्थियों को लाभान्वित किये जाने हेतु लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

डीएम की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत

कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लंबित राजस्व प्रकरणों, नामांतरण, वरासत, दाखिल-खारिज, भू-अभिलेखों के अद्यतन, एवं राजस्व वसूली की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में जिलाधिकारी ने लम्बित राजस्व वादों की समीक्षा कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए, इसके अतिरिक्त, अवैध कब्जों की रोकथाम एवं उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव सहित समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत बाल विवाह रोकथाम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व स्कूल चलो अभियान का जनजागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। नगर क्षेत्र व मलिकमऊ आयाम में मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत बाल विवाह की रोकथाम एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बेटियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। उन्हें बाल विवाह के दुष्परिणामों, इसके कानूनी प्रावधानों तथा इसे रोकने में समाज की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में

विभिन्न सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया तथा महिलाओं को उनके लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 112 (आपातकालीन सेवा) जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर महिलाएं एवं बच्चे तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान पर पर्वेक्षक संध्या श्रीवास्तव, दीप्ति श्रीवास्तव, आस्था मिश्रा एवं हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं महिलाएं उपस्थित रही।

एवियर एजुकेशनल हब में रंगारंग कार्यक्रम स्पेक्ट्रम 2026 का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब में स्पेक्ट्रम 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत फोटोग्राफी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विज्ञान प्रदर्शनी, फूड स्टॉल, गेम जोन, रंगोली प्रतियोगिता, बॉलीवुड फैशन शो, ओपन माइक और रील मेकिंग जैसी विविध गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इन सभी आयोजनों में छात्रों ने न केवल अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया, बल्कि अपनी प्रस्तुति, आत्मविश्वास और मंच संचालन क्षमता से भी सभी को प्रभावित किया। फूड स्टॉल और गेम जोन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने पूरे आयोजन में उत्साह और जीवंतता का संचार किया। संस्थान के चेयरमैन श्री संदीप सिंह ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को नई दिशा देते हैं और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने एवं विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी विभागों के शिक्षकों और विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस आयोजन में यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि छात्र केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे व्यावहारिक कौशल, नवाचार और क्रिएटिव सोच में भी अग्रणी हैं। एवियर एजुकेशनल हब में छात्रों को इंडस्ट्री ओरिएंटेड स्किल्स के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार किया जाता है, जिसका प्रभाव इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस अवसर पर संस्थान की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती कनिका सिंह ने कहा कि स्पेक्ट्रम 2026 छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच है और इस प्रकार के आयोजन उनके आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री अमरेश सिंह ने कहा कि छात्रों की सक्रिय भागीदारी, टीमवर्क और आयोजन की सुव्यवस्थित योजना इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे, जहां पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल, उमंग और सीखने का सकारात्मक वातावरण देखने को मिला।

पश्चिमी यूपी में 200 एकड़ में बनेगा परशुराम धाम, नोएडा में भी बनेगा परशुराम भवन

गोवा में पहली बार परशुराम अवतरण दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा मंगलवार को नोएडा को आयोजित प्रेसवार्ता में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भव्य परशुराम धाम निर्माण की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि करीब 200 एकड़ भूमि में इस धाम को विकसित करने की योजना है, जिसके लिए सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों से वार्ता जारी है। साथ ही नोएडा में भी परशुराम भवन निर्माण की घोषणा की गई। प्रेस वार्ता के दौरान परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) विनय शर्मा ने जानकारी दी कि परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर गोवा में आयोजित हो रहे भव्य महोत्सव ने धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण को नई दिशा दी है। गोवा सरकार और राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चल रहे इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इसके बाद समुद्र तट पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पहली बार भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसे अब नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दामू नाइक और परिषद के संस्थापक एवं पूर्व राज्य मंत्री सुनील भराला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में लगभग 10 हजार लोगों की सहभागिता रही, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। मान्यता है कि उन्होंने अपने परशु से समुद्र को पीछे हटाकर गोवा (प्राचीन गोमंतक) और गोकर्ण क्षेत्र की रचना की थी, जिससे यह भूमि उनकी तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कथा, भजन, यज्ञ, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि भगवान परशुराम के संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर कर उनके जीवन मूल्यों और संस्कारों को समाज तक पहुंचाना आवश्यक है।इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री सुधीर कुमार शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवानी सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आकांक्षा तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

09 मई 2026 को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वाद व मोटर दुर्घटना सम्बन्धी अधिकाधिक वादों को निस्तारण कराये जाने हेतु प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, भूपेन्द्र राय व पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, प्रफुल्ल कमल के साथ बैठक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा की गयी। अगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने व पिछलें लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय व पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के द्वारा अपने सुझाव साझा किये।

आईएमएस नोएडा में आईटी एक्सपो का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा में आईटी एक्सपो का आयोजन हुआ। बुधवार को कार्यक्रम के दौरान एमसीए एवं बीसीए के छात्रों ने 32 स्टॉल लगाए। कार्यक्रम की शुरुआत आईबीएम की आइडेंटिटी एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी प्रोग्राम मैनेजर रितु मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान 25 से अधिक कंपनियों ने प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। आईएमएस स्कूल ऑफ आईटी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि आज आईटी एक्सपो के दौरान ऐप्सक्वाज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, स्मार्ट एनर्जी वाटर, एमवीडी टेक्नोलॉजी, एलआरपी कैप्टिवेटर प्राइवेट लिमिटेड, आईबीएम सॉफ्टवेयर, स्टेफनी इंडिया, स्विफ्टकी, किंडवेल, गैलेक्सी इन्फोटेक एवं अन्य आईटी कंपनी के प्रतिनिधियों नेअपनी उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों के प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया। इस प्रोजेक्ट शो-केस सत्र में 70 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने नवाचारपूर्ण एवं तकनीकी प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। आईबीएम की सिक्योरिटी प्रोग्राम मैनेजर रितु मित्तल ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट्स की सराहना करते हुए कहा कि ये प्रोजेक्ट्स वर्तमान उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। उन्होंने छात्रों की तकनीकी समझ, नवाचार क्षमता और समस्या समाधान कौशल की प्रशंसा की। रितु मित्तल ने बताया कि विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से व्यावहारिक सोच और आधुनिक तकनीकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं कार्यक्रम के दौरान अति विशिष्ट, उपयोगी एवं प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स वाले छात्रों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता पति मिश्रा ने बताया कि आज का आयोजन विद्यार्थियों के कौशल, नवाचार क्षमता एवं उद्योग जगत से जुड़ाव के लिए आयोजित किया गया। इस आयोजनों से विद्यार्थियों को अपने विचारों, तकनीकी ज्ञान और रचनात्मक प्रतिभा को प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। साथ ही, उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें वर्तमान बाजार की मांग और नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि यह आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने तथा उनके उज्ज्वल करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भा ज युवा मोर्चा के नेतृत्व में जन आक्रोश महिला पदयात्रा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राज नागर के नेतृत्व में आईआईएमटी कॉलेज से जगत फार्म गोलचक्कर ग्रेटर नोएडा तक हजारों की संख्या में इस पदयात्रा में महिलाएं, युवकतिया एवं सामाजिक संगठनों की बहनों ने स्वेच्छा से उपस्थित होकर अपनी एकजुटता और जागरूकता का परिचय दिया।आइए, मिलकर नारी शक्ति की आवाज को बुलंद करें, नारी सम्मान की लड़ाई-अब आर-पार की लड़ाई। नारी सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों के समर्थन में एक भव्य जन आक्रोश महिला पदयात्रा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा उतर प्रदेश की प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती महामेधा नागर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष एड0 अभिषेक शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दोनों नेताओं ने अपने संबोधन में नारी सशक्तिकरण, समान अधिकार एवं समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर जोर दिया।प्रदेश प्रवक्ता भाजपा श्रीमती महामेधा नागर ने कहा कि 1996 से लेकर आज तक, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का एक ही काम रहा है, महिलाओं के अधिकार को रोकना। 1998 में संसद के फर्श पर बिल फाड़ा गया,

2010 में राज्यसभा से पास होने के बाद 4 साल तक लोकसभा में लाया ही नहीं गया, और आज जब मोदी सरकार ने वही किया जो खुद कांग्रेस ने 2023 में मांगा था, तो इन्होंने वोट बिल के खिलाफ दिया। यह राजनीतिक विरोध नहीं है, यह भारत की करोड़ों महिलाओं के साथ खुला विश्वासघात है। इनका मुखौटा उतर चुका है और भारत की महिलाएं इसका जवाब देना जानती हैं। जिला अध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा ने कहा कि यह पदयात्रा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में पारित न हो पाने के विरोध में निकाली गई, जिसने देशभर की महिलाओं की भावनाओं को आहत किया है।

अन्याय के खिलाफ अब एकजुट होने का समय है, नारी शक्ति को उसका अधिकार दिलाने का समय है, महिलाओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे अब अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह सजग हैं और किसी भी प्रकार के अन्याय या अपमान को सहन नहीं करेंगी। यात्रा में जिला महामंत्री धर्मेंद्र भाटी, वीरेंद्र भाटी, जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर, अरुण प्रधान, जिला मंत्री रजनी तोमर, मुकेश भाटी, वंदना वानखंडे, गायत्री तिवारी, गीता सागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, युवा मोर्चा महामंत्री शक्ति रावल, जिला मंत्री बालेश्वर नागर, एड. सुशील भाटी, विजय रावल, संदीप शर्मा, ओमकार भाटी, प्रीति तेवतिया, अन्नू सिंह, रीना सिंह, प्रीति अग्रवाल आदि।

टीसीएस में घटी घटना के विरोध में राष्ट्रीय हनुमान दल ने डीएम को दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राष्ट्रीय हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह हिंदू, गुरिंदर सिंह हिंदू राष्ट्रीय अध्यक्ष बुध नगर, संजीव भाटी जिला संरक्षक युवा मोर्चा गौतम बुध

तत्वावधान में लव जेहाद और लैंस कार्ड घटना एवम् नाशिक स्थित टीसीएस में घटी घटना के विरोध में एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित गौतमबुद्ध नगर में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर रोहित हिन्दू के नेतृत्व में जिलाधिकारी मेघा रूपम को ज्ञापन दिया।गाज़ियाबाद, आगरा, मथुरा, हाथरस, कानपुर आदि जिलों पर राष्ट्रीय हनुमान दल के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरुप स्लोगन लिखी तख्तियो को हाथों में लेकर प्रदर्शन किया इस दौरान युवा मोर्चा, जिला अध्यक्ष सरजीत खारी ,महानगर अध्यक्ष संजीव चौहान, जिला संगठन महामंत्री नंद किशोर सोलंकी,सोसल मीडिया प्रभारी प्रवीन विश्वकर्मा , राहुल सिंह हिंदू जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, दीपक नगर प्रदेश अध्यक्ष युवा, डॉ राजकुमार उपाध्यक्ष युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश, तनिष्क नगर जिला मंत्री युवा मोर्चा,सोशल मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा, अर्चित भाटी महामंत्री संगठन युवा मोर्चा, रोहित मावी उपाध्यक्ष युवा मोर्चा गौतम बुध नगर, इशांक भाटी जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा गौतम नगर,उचित कार्रवाई एवं न्याय की मांग की। राष्ट्रीय हनुमान दल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आज राष्ट्रीय हनुमान दल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ लव जेहाद और लैंस कार्ड घटना नाशिक टीसीएस में घटी घटना के विरोध में प्रदर्शन किया गया।इसके उपरांत जिला अधिकारी, सूरजपुर को ज्ञापन सौंपकर मामले में उचित कार्रवाई एवं न्याय की मांग की गई। इस दौरान संगठन के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाईस्कूल-इंटर का रिजल्ट 23 अप्रैल को शाम 4 बजे होगा घोषित

इंतजार खत्मः यूपी बोर्ड का रिजल्ट कल शाम 4 बजे,प्रयागराज से घोषित होगा 10वीं-12वीं का रिजल्ट, कल शाम 4 बजे UPMSP: हाईस्कूल-

इंटरमीडिएट का रिजल्ट कल, वेबसाइट पर देखें,प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा का रिजल्ट घोषित करने की तिथि जारी कर दी है। सचिव भगवती सिंह की ओर से जारी परीक्षाफल 23 अप्रैल 2026 को शाम 4:00 बजे मुख्यालय प्रयागराज से घोषित किया जाएगा।

राहुल गांधी की तस्वीर से अभद्रता पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा 19 अप्रैल को किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तस्वीर पर कालिख पोतने और चप्पल मारने की घटना के विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र ने बढ़ौली चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष रामराज गोंड के नेतृत्व में केंद्र सरकार के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं के उग्र तेवर देख प्रशासन को चार थानों की पुलिस बल तैनात करनी पड़ी। पुतला दहन के प्रयास के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में तीखी झड़प व धक्का-मुक्की हुई। बढ़ते जनआक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने 10 दिनों के भीतर दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष रामराज गोंड ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ इस तरह की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और उग्र एवं व्यापक रूप दिया जाएगा।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर जागरुकता शिविर का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा के दिशा-निर्देशन में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय इण्टर कालेज रायबरेली में विधिक साक्षरता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल जय सिंह यादव के द्वारा उपस्थित छात्रों को निःशुल्क विधिक सहायता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया गया कि पृथ्वी दिवस पर हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए जिससे पर्यावरण संतुलित रहे यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उक्त अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि पर्यावरण को कैसे बचाया जाए उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया गया पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाए जाने वाला एक वैश्विक आयोजन है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है इसकी शुरुआत 1970 में हुई थी पृथ्वी दिवस 2026 की थीम है हमारी शक्ति हमारा ग्रह यह थीम स्वच्छ ऊर्जा को तेज करने और सामुदायिक स्तर पर समाधानों को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई पर जोर देती है। इस कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य प्रत्यूष श्रीवास्तव, अध्यापक गण डॉ हरिओम त्रिपाठी, प्रीतम कुमार, दिव्य प्रकाश श्रीवास्तव, धर्मेंद्र शुक्ला द्वारा भी उपस्थित छात्र-छात्राओं को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जानकारी प्रदान की गयी। उक्त जागरुकता कार्यक्रम में पराविधिक स्वयंसेवक मनोज कुमार प्रजापति व भारी संख्या में स्कूली छात्र-छात्रा मौजूद रहे। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जनपद रायबरेली की तहसील महाराजगंज, लालगंज, सलोन, डलमऊ, ऊंचाहार वह जनपद अमेठी की तहसील तिलोई मे भी विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बाल विवाह मुक्त भारत योजना के अंतर्गत वृहद जन जागरूकता कार्यक्रम हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर जिला अस्पताल, सोनभद्र के परिसर में बाल विवाह मुक्त भारत योजना के अंतर्गत वृहद जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को जड़ से समाप्त करना तथा महिलाओं व बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का विवरणः- परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम नागरिक, अस्पताल कर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश को बाल विवाह की कुप्रथा से पूर्णतः मुक्त कराना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ग्राम स्तर तक निगरानी समितियों का गठन किया जा रहा है और विभिन्न संस्थाओं में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है क्योंकि इस दिन बाल विवाह के मामले अधिक सामने आते हैं। कार्यक्रम में बाल मजदूरी रोकथाम और बच्चों की शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम कराना दंडनीय अपराध है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। अभिभावकों से अपील की गई कि बच्चों को स्कूल भेजें और बाल श्रम की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन पर दें। अमित सिंह चंदेल, सदस्य बाल कल्याण समिति ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कानूनन लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाबालिग का विवाह कराना, उसमें सहयोग करना या उसे बढ़ावा देना दंडनीय अपराध है। दोषी पाए जाने पर 2 वर्ष तक के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। श्री चंदेल ने लोगों से अपील की कि बाल विवाह होते देखें तो मूकदर्शक न बनें। उपस्थित गणमान्यः-इस अवसर पर चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से सीमा शर्मा, सुधा गिरी, सत्यम चौरसिया, अंशु गिरी, अनिल यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।सभी ने बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। हेल्पलाइन नंबरः- कार्यक्रम के अंत में नागरिकों को आपात स्थिति में सहायता के लिए टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गईः-- 1098- चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 - आपातकालीन सेवा, 1090 - वीमेन पावर लाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन -सभी से अनुरोध किया गया कि बाल विवाह या बाल श्रम की किसी भी घटना की सूचना तुरंत इन नंबरों पर दें। गोपनीयता पूरी तरह रखी जाएगी।

जनपद में धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू 22 से 21 जून 2026 तक रहेगा प्रभावी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र श्री वागीश कुमार शुक्ल ने अवगत कराया है कि जनपद में आगामी पर्व-त्योहारों, परीक्षाओं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश दिनांक 22 अप्रैल 2026 से 21 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी भी प्रकार के जुलूस, धरना-प्रदर्शन एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा अस्त्र-शस्त्र, विस्फोटक सामग्री, ज्वलनशील पदार्थ आदि लेकर सार्वजनिक स्थलों पर जाना निषिद्ध होगा, साथ ही धार्मिक, जातीय अथवा सामाजिक भावनाओं को भड़काने वाले नारे, पोस्टर, पंपलेट आदि के प्रचार-प्रसार पर भी रोक लगाई गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाली सूचनाओं के प्रसार पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। समूह संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने ग्रुप में ऐसी किसी भी सामग्री को तत्काल हटाएं और इसकी सूचना प्रशासन को दें। परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री या अनुचित साधन परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी, इसके अतिरिक्त रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर/साउंड सिस्टम के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। ड्रोन कैमरा उड़ाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाना, यातायात बाधित करना तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाना दंडनीय अपराध माना जाएगा। आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने जनसामान्य से अपील की है कि वे शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें तथा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार जी का जनपद में आगमन आज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार जी का जनपद में आगमन आज दिनांक 23.04.2026 को प्रातः 09:30 बजे ग्राम सरवट, घोरावल में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम जानकी मिन्दर के जीर्णोद्धार एवं प्राण प्रतिष्ठा व भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज के नवनिर्मित मन्दिर में आयोजित प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मलित होगें, प्रातः 11:55 बजे सर्किट हाउस सोनभद्र में जनप्रतिनिधियों व भाजपा कार्यकर्ताओं भेंट वार्ता करेगें, अपरान्ह 04:10 बजे वन विभाग के सभागार में वन विभाग, वन निगम एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ मण्डलीय समीक्षा बैठक करेगें और सर्किट हाउस चुर्क में रात्रि विश्राम करेगें। दिनांक 24.04.2026 को प्रातः 07:00 बजे अपने गनतब्य को प्रस्थान करेगें।

विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सर्वोदय शिक्षण संस्थान रावर्ट्सगंज सोनभद्र द्वारा आयोजित एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार नईदिल्ली द्वारा प्रायोजित दी आर्यनस एकडमी स्कुल रावर्ट्सगंज के प्रांगण में जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि कृष्ण मोहन जी काशी प्रान्त के संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं अध्यक्षता कथाकार रामनाथ शिवेंद्र, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त ओम प्रकाश त्रिपाठी, प्रबंधक विनोद कुमार जालान विभाग संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि सोनभद्र विभाग , प्रधानाचार्य चित्रा जालान एवं साहित्यकार एवं कवि प्रदुमन त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व पृथ्वी दिवस पर हमारी शक्ति हमारा ग्रह थीम के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु चर्चा एवं जागरूक कर सभी को संकल्प एवं प्रतिज्ञा दिलाया गया सभी ने संकल्प लिया की मैं पृथ्वी दिवस पर प्रतिज्ञा करता हूँ की मैं विद्युत और सभी प्रकार की ऊर्जा का बिना किसी अपव्यय के जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग करूँगा मैं जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करूँगा स्वच्छ, हरित और नविकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दूंगा मैं अपने दैनिक जीवन में सतत प्रथाओं को अपनाऊंगा ऐसा करने के लिए समाज में सभी को प्रेरित करूँगा क्यों की ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण ' धरति माता और आने वाली पीढ़ियों के हित के लिए आवश्यक हैं संकल्प दिलाने के बाद स्कुल के बच्चों एवं बच्चियों को चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से धरती बचाओं पेड़ लगाओं विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता कराते हुए जागरूक किया गया। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती गर्मीः प्रकृति की चेतावनी...? कृष्ण मोहन जी प्रान्त संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि काशी प्रान्त ने बताया की गर्मी केवल मौसम नहीं है, यह एक चेतावनी है। धरती चुप नहीं है– वह लगातार संकेत दे रही है कि कुछ गंभीर रूप से गलत हो रहा है। हर साल तापमान नए रिकॉर्ड तोड़ रहा है। शहर गर्म तवे की तरह जल रहे हैं, नदियाँ सिकुड़ रही हैं, जंगलों की हरियाली धुएँ और धूल में बदल रहा है। कभी जो गर्मी असामान्य लगती थी, आज वही सामान्य बनती जा रही है। सवाल यह है कि क्या हम सच में इस खतरे को समझ रहे हैं, या केवल पंखे, कुलर और एयर कंडीशनर बढ़ाकर खुद को धोखा दे रहे हैं? पहले प्रकृति में एक संतुलन था। ऋतुएँ समय पर आती थीं, बारिश अपने समय पर होती थी, और धरती जीवन को सहजता से पोषित करती थी। लेकिन आज यह संतुलन टूट चुका है। कहीं बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है, तो कहीं महीनों तक सूखा धरती को फाड़ देता है। कहीं जंगल आग में जल रहे हैं, तो कहीं शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं बची। और यह सब केवल 'प्राकृतिक परिवर्तन' नहीं है। यह मानव की अपनी बनाई हुई स्थिति है। हमने विकास के नाम पर जंगल काटे, नदियों को बाँधा, पहाड़ों को तोड़ा और आसमान को धुएँ से भर दिया। हमने यह मान लिया कि प्रकृति हमारे नियंत्रण में है। लेकिन सच्चाई यह है कि प्रकृति को जीतने की कोशिश में हम धीरे-धीरे खुद को ही हार रहे हैं। बढ़ती गर्मी केवल असुविधा नहीं है–यह आने वाले संकट की शुरुआत है। हीट वेव अब खबर नहीं, एक नया सामान्य बनती जा रही है। किसान की फसल सूख रही है, मजदूर तपती सड़कों पर बेबस खड़े हैं, और शहरों में पानी तक संकट बनता जा रहा है। आने वाले समय में पानी, भोजन और स्वच्छ हवा जैसी मूलभूत चीजें भी संघर्ष का कारण बन सकती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि

हम जानते हैं कि समस्या क्या है, फिर भी हम उसे रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे। हम विकास की अंधी दौड़ में इतने व्यस्त हैं कि यह भूल गए हैं कि अगर धरती ही असंतुलित हो गई, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ अर्थहीन हो जाएँगी।आज सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं।सवाल यह है कि जब पृथ्वी हमें बार-बार चेतावनी दे रही है, तब भी क्या हम सुनने को तैयार हैं..?क्योंकि अगर हमने अभी भी नहीं समझा, तो आने वाला समय केवल गर्म नहीं होगा–वह भयावह होगा।और तब शायद इतिहास यह लिखेगा कि पृथ्वी को किसी बाहरी शक्ति ने नहीं, बल्कि मानव की अपनी लापरवाही और लालच ने संकट में डाल दिया।इसलिए यह समय केवल चिंता करने का नहीं,जागने का समय है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुका है। क्योंकि अगर धरती बची रहेगी, तभी भविष्य बचेगा।और अगर हमने अभी भी नहीं सीखा, तो यह बढ़ती गर्मी केवल मौसम नहीं, मानव सभ्यता की सबसे बड़ी चेतावनी साबित होगी।स्कुल की प्रधानाचार्य चित्रा जालान ने बताया की यदि पृथ्वी ना होती तो हमारा अस्तित्व ही ना होता और ना ही हम किसी दूसरे ग्रह पर जा पाते इसलिये यदि पृथ्वी को कुछ भी हो जाता हैं तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा हमें याद रखना चाहिए की आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी का संरक्षण होना आवश्यक हैं और हम अपनी इच्छा अनुसार इसके संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग नहीं कर सकते हैं इसलिये हम सभी लोगों की जिम्मेदारी बनती हैं की हम सभी लोग पानी को बर्बाद ना करें पानी को बचाये, पेड़ को कटने से बचाये, पेंड़ का संरक्षण करें हम सभी ऊर्जा को बचाकर, पुनचकरण करके और प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाकर बदलाव ला सकते हैं याद रखे भविष्य हमारे हाथों में हैं अगर हम पृथ्वी को बचाते हैं तो हम खुद बचेंगे इसलिए अब हमारी जिम्मेदारी हैं की पृथ्वी पर जो भी प्राकृतिक संसाधन हैं उसे हम सभी जैसे पेड़, पानी, पहाड़, नदी, आदि को प्रदूषित होने और कटने से बचाएंगे इस प्रकार लोगों को जागरूक किया गया। कथाकार रामनाथ शिवेंद्र ने बताया की आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं क्यों की यह हमारे दृष्टिकोण को बदल सकता हैं इस दिन हमें खुद को प्रकृति से अलग नहीं बल्कि जटिल रूप से जुड़ा हुआ देखने के लिए प्रेरित करता हैं हर किसी को अपने दैनिक जीवन में छोटे छोटे बदलाव करना चाहिए,**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

इन 10 आदतों से खराब होता डाइजेशन,डॉक्टर से जानें इंप्रूव करने के साइंटिफिक तरीके,ये 11 हेल्थ टिप्स

नयी दिल्ली। खराब लाइफस्टाइल, अनियमित खानपान और स्ट्रेस डाइजेशन को प्रभावित करते हैं। इससे एसिडिटी, कब्ज और अपच जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। अगर ये दिक्कतें लगातार बनी रहें तो एनर्जी, काम करने की क्षमता और मूड तीनों प्रभावित होते हैं। अमेरिकन ग्लोबल हेल्थकेयर कंपनी 'एबॉट' के 'गट हेल्थ सर्वे' के अनुसार, 22फीसदी भारतीय वयस्क कब्ज से परेशान रहते हैं। वहीं 13फीसदी गंभीर कब्ज की समस्या का सामना कर रहे हैं। ऐसे में डाइजेस्टिव हेल्थ पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि-हेल्दी डाइजेशन के लिए क्या करें? कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? और विषय को समझेंगे डॉ. अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- अच्छी सेहत के लिए डाइजेशन दुरुस्त रहना क्यों जरूरी है? जवाब- अच्छी सेहत के लिए डाइजेशन दुरुस्त रहना सिर्फ जरूरी नहीं, बल्कि क्रिटिकल है। पॉइंटर्स से इसे समझते हैं-अगर डाइजेस्टिव सिस्टम सही नहीं है, तो विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और फैट का एब्जॉर्प्शन प्रभावित होता है। इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। जैसे-लो एनर्जी, लो इम्यूनिटी, स्किन और बालों से जुड़ी समस्याएं, हॉर्मोनल इंबैलेंस, इसके अलावा हमारे गट माइक्रोब्स इम्यून सिस्टम और ब्रेन हेल्थ से भी जुड़े होते हैं। यह ओवरऑल बॉडी फंक्शनिंग को प्रभावित करते हैं। सवाल- क्या डाइजेशन का दुरुस्त रहना इस बात पर निर्भर है कि हमारी डाइट कैसी है?जवाब- हां, सही डाइजेशन काफी हद तक डाइट पर निर्भर करता है। इसे ऐसे समझते हैं-हमारी डाइट सीधे माइक्रोबायोम (आंतों में रहने वाले गुड-बैड बैक्टीरिया) के स्ट्रक्चर को प्रभावित करती है। फाइबर-रिच फूड्स जैसे फल, सब्जियां और साबुत अनाज प्रीबायोटिक की तरह काम करते हैं। यह गुड बैक्टीरिया बढ़ाते हैं। ये बैक्टीरिया शॉर्ट-चेन फैटी एसिड बनाते हैं। ये आंतों की प्रोटेक्शन लेयर को मजबूत करते हैं और इंफ्लेमेशन कम करते हैं। इससे डाइजेशन सुधरता है। संतुलित डाइट डाइजेस्टिव एंजाइम्स के सिक्रेशन को भी रेगुलेट करती है। इससे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फैट का ब्रेकडाउन अच्छे से होता है। सवाल- डाइजेशन सिस्टम को दुरुस्त रखने का साइंटिफिक तरीका क्या है?

जवाब- इसके तीन हिस्से हैं-1. लाइफस्टाइल, डाइजेशन पूरे शरीर के रिद्म और रूटीन से जुड़ा होता है। पॉइंटर्स से समझते हैं- फिजिकल एक्टिविटी,रेगुलर एक्सरसाइज आंतों के मूवमेंट को स्टिमुलेट करती है। इससे डाइजेशन बेहतर होता है। डाइजेशन ठीक रहने से कब्ज की समस्या भी कम होती है। हाइड्रेशन,पर्याप्त हाइड्रेशन से पाचन आसान होता है और डाइजेस्टिव एंजाइम्स बेहतर ढंग से काम करते हैं। पानी पेट और आंतों में बनने वाले डाइजेस्टिव जूस (गैस्ट्रिक जूस) के सही सिक्रेशन को सपोर्ट करता है। पानी फाइबर के साथ मिलकर एक जेली पदार्थ बनाता है, जो स्टूल को सॉफ्ट करता है। अगर शरीर में पानी की कमी होगी तो पाचन धीमा पड़ सकता है। इससे कब्ज और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। 2. माइंडफुल ईटिंग, खाने का तरीका भी फूड चॉइस जितना ही जरूरी है। इसे पॉइंटर्स से समझते हैं- जब धीरे-धीरे चबाकर खाते हैं तो शरीर 'रेस्ट एंड डाइजेस्ट' मोड में चला जाता है। इस अवस्था में लार, गैस्ट्रिक जूस और एंजाइम्स सही मात्रा में रिलीज होते हैं। इससे पाचन सुधरता है।जल्दबाजी में खाने से यह सिस्टम एक्टिव नहीं हो पाता है। इससे फूड का शुरुआती ब्रेकडाउन ही प्रभावित हो जाता है। इससे लंबे समय में गैस, ब्लोटिंग जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। 3. न्यूट्रिशन बैलेंस्ड और वेरायटी डाइट गट माइक्रोब्स को स्थिर रखती है। न्यूट्रिशन गट लाइनिंग (आंतों की ऊपरी लेयर) को मजबूत करता है। इससे न्यूट्रिएंट्स का अवशोषण बेहतर होता है और शरीर में टॉक्सिन्स प्रवेश नहीं कर पाते हैं। संतुलित डाइट डाइजेस्टिव एंजाइम्स और बाइल जूस के सिक्रेशन को सपोर्ट करती है। यह फूड ब्रेकडाउन के लिए जरूरी होता है। सवाल- किन गलतियों से डाइजेशन खराब होता है? जवाब- खराब डाइजेशन शरीर के अंदर कई बायोलॉजिकल प्रोसेस को भी डिस्टर्ब करता है। जैसे- खराब खानपान और स्ट्रेस की वजह से गट माइक्रोब का संतुलन बिगड़ जाता है। अनहेल्दी डाइट पाचन के लिए जरूरी एंजाइम्स के प्रोडक्शन को प्रभावित करती है। इन आदतों से गट मूवमेंट स्लो हो जाता है। इससे फूड ज्यादा देर तक पेट में रुका रहता है और गैस, ब्लोटिंग व कब्ज जैसी समस्याएं होती हैं। खराब लाइफस्टाइल शरीर में लो-ग्रेड इंफ्लेमेशन बढ़ा सकता है। हमारी कौन सी आदतें डाइजेशन को खराब करती हैं- सवाल- क्या स्ट्रेस से भी डाइजेशन खराब होता है? जवाब- हां, जब शरीर स्ट्रेस में होता है तो सिंपेथेटिक नर्वस सिस्टम (इमरजेंसी या स्ट्रेस्ड सिचुएशन में सक्रिय होता है) एक्टिव हो जाता है। इससे बॉडी 'फाइट या फ्लाइट' मोड में चली जाती है। इस दौरान शरीर डाइजेस्टिव प्रोसेस को स्लो कर देता है। बॉडी को मैसेज जाता है कि खुद को बचाना जरूरी है। ऐसे में ब्लड फ्लो ब्रेन और मसल्स की ओर बढ़ जाता है। पेट की ओर फ्लो कम होने से डाइजेशन स्लो हो जाता है। सवाल- हेल्दी डाइजेशन के लिए अच्छी नींद क्यों जरूरी है? जवाब- नींद के दौरान शरीर खुद को रिपेयर और रीसेट करता है, जिसमें डाइजेस्टिव सिस्टम भी शामिल है। पर्याप्त नींद से गट मूवमेंट सही रहता है। डाइजेस्टिव एंजाइम्स और हॉर्मोन्स भी बैलेंस्ड रहते है। नींद की कमी से भोजन सही तरीके से नहीं पचता है। अच्छे डाइजेशन के लिए रोजाना 7-8 घंटे की अच्छी और गहरी नींद जरूरी है।

आईपीएल- अभिषेक के शतक से हैदराबाद की लगातार तीसरी जीत,दिल्ली को 47 रन से हराया; ईशान मलिंगा ने 4 विकेट झटके

हैदराबाद। अभिषेक की शतकीय पारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आईपीएल सीजन में लगातार तीसरी जीत हासिल की। मंगलवार को टीम ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 47 रन से हराया। राजीव गांधी उप्पल स्टेडियम में 243 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। टॉस हारकर एसआरएच ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट पर 242 रन बनाए थे। मैच का स्कोरबोर्ड-अभिषेक शर्मा ने नाबाद 135 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 68 गेंद में 10 चौके और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 135 रन की शतकीय पारी खेली। हेनरिक क्लासन ने नाबाद 37 रन बनाए। दोनों ने 66 रन की नाबाद पार्टनरशिप की। ट्रैविस हेड ने 37 और ईशान किशन ने 25 रन बनाए। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। एक बल्लेबाज रनआउट हुआ। दिल्ली से नीतीश की फिफ्टी-रन चेज में दिल्ली ने 21 रन पर पाथुम निसांका का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद केएल राहुल और नीतीश राणा ने 45 गेंद में 86 रन की साझेदारी कर पारी संभाली। लेकिन, केएल राहुल और राणा के आउट होने के बाद दिल्ली वापसी नहीं कर सकी। ईशान मलिंगा हैट्रिक चूके, 4 विकेट झटके-ईशान मलिंगा ने 4 विकेट झटके। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर आशुतोष शर्मा (14 रन), ट्रिस्टन स्टब्स (27 रन), नीतीश राणा (57 रन) और डेविड मिलर (जीरो) को पवेलियन भेजा। राणा और मिलर को लगातार गेंद पर आउट करने के बाद मलिंगा के पास हैट्रिक का मौका था, लेकिन वे चूक गए। हैदराबाद तीसरे पायदान पर पहुंचा-दिल्ली को हराने के बाद हैदराबाद 8 पॉइंट्स के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गया। वहीं दिल्ली 6 मैच में 3 जीत और 3 हार के साथ 5वें स्थान पर हैं। दिल्ली ने पारी के आखिरी ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। हर्ष दुबे ने इस ओवर की पहली बॉल पर अक्षर पटेल, 5वीं बॉल पर समीर रिजवी और छठी बॉल पर लुंगी एनिगडी का विकेट गंवाया। इसी के साथ हैदराबाद ने इस मैच को 47 रनों से जीत लिया है।

अभिषेक की कैमरामैन से अपील- पापा को दिखाइए,कहा- वे बाउंड्री के पास बैठकर मुझे बैटिंग सिखाते ह

नयी दिल्ली।सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के ओपनर अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2026 में मंगलवार को खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 135 रन बनाकर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। इस पारी के बाद वह भावुक नजर आए और सफलता का श्रेय पिता को दिया। मैच के बाद उन्होंने ब्रॉडकास्टर्स से रिक्वेस्ट की और कहा 'अगली बार मैं चाहता हूं कि ब्रॉडकास्टर्स एक कैमरा मेरे पिता की तरफ भी रखें। उनके रिएक्शंस देखना वाकई मजेदार होगा। यह कमाल की बात है कि मैं जब भी उनकी तरफ देखता हूं, वह मुझे देख रहे होते हैं और मुझे इंस्ट्रक्शंस दे रहे होते हैं। इससे मुझे काफी मदद मिलती है। माता-पिता और दोस्तों के सामने परफॉर्म करना हमेशा स्पेशल होता है। 'अभिषेक ने बताया कि उनके पिता उनके क्रिकेटिंग सफर के शुरुआती दिनों से साथ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह कैसे होता है, लेकिन अंडर-12 के दिनों से ही मेरे डैड हमेशा स्क्रीन या साइटस्क्रीन के पास बैठे रहते हैं। हैदराबाद में भी वह वहीं बैठे थे। जब भी मैं नॉन-स्ट्राइकर एंड पर होता हूं, वह मुझे इशारों में बताते हैं कि कैसे खेलना है। यह सिलसिला आज भी जारी है।'दिल्ली के खिलाफ मैच में भी उनके पिता साइटस्क्रीन के पास बैठकर बेटे को इतिहास रचते देख रहे थे। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय अभिषेक ने टीम के माहौल को दिया। उन्होंने कहा, ' जब आपको कप्तान और कोच का पूरा बैकअप मिलता है, तो आप खुलकर खेल पाते हैं। 2024 में सनराइजर्स का जो माहौल बना, वह मेरे लिए गेम-चेंजर साबित हुआ।' प्लानिंग पर उन्होंने कहा कि पिच शुरू में थोड़ी धीमी थी, इसलिए हमने दोबारा प्लानिंग की और मकसद फैंस का मनोरंजन करना था। अभिषेक अक्सर मैच में 'एल' जेस्चर बनाकर सेलिब्रेट करते हैं। इस पर उन्होंने बताया, ' मैं यह 'एल' सेलिब्रेशन काफी समय से कर रहा हूं। यह स्टेडियम और फैंस के प्रति मेरा प्यार (लव) दिखाने का तरीका है। वे हर मैच में और होटल तक हमारा सपोर्ट करते हैं, इसलिए मैं भी अपनी तरफ से उन्हें प्यार दिखाना चाहता हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि यह सेलिब्रेशन इस बात की खुशी थी कि वह 20वें ओवर तक बल्लेबाजी करने में सफल रहे। अभिषेक ने यह पारी अपनी फैमिली और खास तौर पर बहन को डेडिकेट की, जो बीमारी के चलते मैच देखने स्टेडियम नहीं आ सकी थीं। उनके 135 रनों के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने योगदान दिया, जिससे एसआरएच ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 242 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम निर्धारित ओवरों में 47 रन पीछे रह गई। युवराज सिंह का खास मैसेजः 'हर दिन बेहतर हो रहे हो' अभिषेक की पारी के बाद मेंटर और पूर्व भारतीय दिग्गज युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ की। उन्होंने पोस्ट लिख-'बल्ले को काम करने दो! हर दिन बेहतर हो रहे हो, बहुत अच्छा खेले सर अभिषेक! अपनी प्रोसेस (प्रक्रिया) पर ध्यान देते रहो।' युवराज सिंह 2019 से अभिषेक को मेंटर कर रहे हैं। 2020 के लॉकडाउन में उन्होंने मोहाली में उनके लिए ट्रेनिंग कैंप लगाया था, जहां से खेल में बड़ा बदलाव आया।

पाकिस्तानी ऑलराउंडर नवाज ड्रग टेस्ट पॉजिटिव पाए गए,पीसीबी ने जांच शुरू की,टी-20 वर्ल्डकप के दौरान लिए गए सैंपल में फेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। ईएसपीएन क्रीक इन्फो के मुताबिक यह सैंपल 2026 टी-20 वर्ल्डकप के दौरान लिया गया था। इस मामले में आईसीसी ने पीसीबी को जानकारी दी है और बोर्ड ने अपनी जांच शुरू कर दी है। अंतिम फैसला आना बाकी-पीसीबी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा- आईसीसी ने इस मामले की जानकारी दी है और पीसीबी ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके नतीजे आज आईसीसी को बताए जाएंगे। फिलहाल जांच जारी है और अंतिम फैसला अभी नहीं आया है। 32 साल के नवाज ने इस साल श्रीलंका में हुए टी-20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान के सभी सात मैच खेले थे। टीम सुपर-8 स्टेज में बाहर हो गई थी। इस दौरान उन्होंने 15 रन बनाए और 7 विकेट लिए। आईसीसी गोपनीय तरीके से जांच कर रहा.नवाज के खिलाफ यह मामला आईसीसी की एंटी-डोपिंग प्रक्रिया के तहत चल रहा है। पॉजिटिव टेस्ट रिक्रिएशनल ड्रग (नशीली दवाएं) से जुड़ा है। आईसीसी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है और पूरी प्रक्रिया गोपनीय तरीके से चल रही है। सरे ने डील रद्द की-इस विवाद का असर नवाज के करियर पर दिखने लगा है। नवाज को इंग्लैंड में टी-20 ब्लास्ट के लिए सरे टीम के साथ जुड़ना था। पीसीबी ने उन्हें एनओसी भी दे दिया था और क्लब इस हफ्ते उनके साइनिंग का ऐलान करने वाला था। लेकिन अब यह डील टूट गई है और नवाज इस सीजन सरे के लिए नहीं खेलेंगे। क्लब ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पॉजिटिव होने के बाद भी पीसीएल खेल रहे-नवाज जांच के बावजूद पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वे मुल्तान सुल्तांस की ओर से लगातार मैच खेल रहे हैं। हाल ही में कराची में रावलपिंडी के खिलाफ मैच में उन्होंने तीन ओवर फेंके, लेकिन कोई विकेट नहीं लिया। 98 टी-20 इंटरनेशनल खेल चुके-नवाज अब तक पाकिस्तान के लिए 98 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम के व्हाइट-बॉल सेटअप में वह नियमित खिलाड़ी रहे हैं और अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन और लोअर ऑर्डर बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। अगर जांच में एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो उन्हें सस्पेंशन या अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

नींद में सुनाई देती है धमाके की आवाज-हो सकता है 'एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम,कारण और रिस्क फैक्टर्स-

नयी दिल्ली। कभी-कभी सोते वक्त या नींद से ठीक पहले अचानक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई देती है। पल भर के लिए ऐसा लगता है, जैसे कोई बम फट गया हो, दरवाजा जोर से बंद हुआ हो या बिजली गिरी हो। डर से नींद टूट जाती है और हार्ट बीट बढ़ जाती है। यह एक 'स्लीपिंग कंडीशन' है, जिसे 'एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम' कहते हैं। इसमें सुनाई देने वाली आवाज असली नहीं होती, बल्कि दिमागी भ्रम होता है। इससे घबराहट और नींद टूटने की समस्या हो सकती है। इसलिए कमजोरी, बोलने में दिक्कत या दर्द जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराना चाहिए। सवाल- किन लोगों को यह समस्या ज्यादा होती है? जवाब- यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। लेकिन कुछ लोगों में इसका खतरा ज्यादा होता है। डॉक्टर मानते हैं कि स्ट्रेस और थकान से ब्रेन सोते समय पूरी तरह रेस्ट मोड में नहीं जा पाता। इससे नींद का बैलेंस बिगड़ता है। कुछ मामलों में यह जेनेटिक भी हो सकता है।सवाल- इस कंडीशन में घबराने की बजाय क्या करना चाहिए? जवाब- 'फिजिकल हेल्थ' में आज एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन लोगों को ये दिक्कत ज्यादा होती है? कब डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है? इससे बचाव के तरीके क्या हैं?सवाल- नींद में अचानक तेज धमाके जैसी आवाज क्यों सुनाई देती है? जवाब- पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर पीयूष गोयल बताते हैं कि सोने और जागने के बीच ब्रेन का कंट्रोल सिस्टम कुछ सेकेंड के लिए इंबैलेंस हो जाता है। उसी समय ब्रेन ऐसे सिग्नल बनाता है, जिससे तेज आवाज का अहसास होता है, जबकि असल में कोई आवाज नहीं होती। सवाल- क्या यह कोई बीमारी है या ब्रेन का नॉर्मल रिएक्शन है? जवाब- डॉक्टर पीयूष कहते हैं कि यह कोई बीमारी नहीं है। यह दिमाग का असामान्य, लेकिन हार्मलेस रिएक्शन है। नींद के दौरान ब्रेन धीरे-धीरे रेस्ट मोड में जाता है। कभी-कभी इसमें रुकावट होती है। ऐसे में ब्रेन अजीब सिग्नल बनाने लगता है। इससे तेज आवाज का भ्रम होता है। मेडिकल टेस्ट में रिपोर्ट नॉर्मल आती है। ब्रेन, नर्व्स या कान में कोई खराबी नहीं मिलती। ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम) जैसे टेस्ट भी सामान्य आते हैं। इसलिए डॉक्टर इसे ब्रेन की अस्थायी कंडीशन मानते हैं। ज्यादातर लोगों को यह समस्या जिंदगी में एक-दो बार होती है और अपने आप ठीक हो जाती है। सवाल- क्या इससे ब्रेन या शरीर को कोई नुकसान होता है? जवाब- नहीं, इससे कोई नुकसान नहीं होता। इसके कारण ब्रेन में कोई स्ट्रक्चरल डैमेज नहीं होता। दिमाग की नर्सें, ब्रेन सेल्स और कान सुरक्षित रहते हैं। इस कंडीशन में दर्द नहीं होता। इसमें सिर्फ डर, घबराहट, तेज हार्ट बीट या पसीना आता है। डर के कारण कुछ लोगों की नींद खराब हो सकती है। इसका असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। सवाल- क्या यह हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है? जवाब- आमतौर पर ऐसा नहीं होता। एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम का हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ब्रेन ट्यूमर से सीधा संबंध नहीं है। पहली बार होने पर लोग डर जाते हैं। उन्हें लगता है कि ब्रेन में गंभीर रिएक्शन हुआ है। जबकि मेडिकल टेस्ट में यह किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सिर्फ तेज आवाज सुनाई देना आमतौर पर बीमारी का संकेत नहीं है। अगर इसके साथ शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में दिक्कत या दर्द जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराना चाहिए। सवाल- किन लोगों को यह समस्या ज्यादा होती है? जवाब- यह समस्या सबसे पहले यह समझें कि यह खतरनाक कंडीशन नहीं है। इसलिए- खुद को शांत रखें।गहरी सांस लें। डर से दिल की धड़कन तेज हो सकती है। इसके लिए तैयार रहें। रोज एक तय समय पर सोएं। रोज 7-8 घंटे की क्वालिटी स्लीप लें। सोने से पहले मोबाइल और स्क्रीन से दूरी रखें। रिलैक्सेशन एक्सरसाइज करें। डीप ब्रीदिंग, ध्यान या हल्की स्ट्रेचिंग करें। ज्यादा थकान और तनाव से बचें। अगर आवाज के बाद नींद टूट जाए तो खुद को याद दिलाएं कि यह ब्रेन का सिर्फ इंबैलेंस्ड रिएक्शन भर है, असली धमाका नहीं। धीरे-धीरे ब्रेन इस डर से बाहर आ जाता है। सवाल- कब डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है? जवाब- अगर यह समस्या बार-बार होने लगे तो डॉक्टर से मिलना जरूरी है। कुछ कंडीशंस में डॉक्टर ईईजी, एमआरआई या स्लीप टेस्ट करा सकते हैं। इससे यह पक्का किया जाता है कि कोई दूसरी बीमारी तो नहीं है। ज्यादातर मामलों में जांच सामान्य आती है, जिससे मरीज को मानसिक राहत मिलती है। सवाल- क्या इसमें दवाओं की जरूरत पड़ती है या ये अपने आप ठीक हो जाती हैं? जवाब- अधिकतर मामलों में यह समस्या बिना दवा के ठीक हो जाती है। इसके अलावा- सिर्फ स्लीप क्वालिटी सुधारने और स्ट्रेस कम करने से भी आराम मिलता है। अगर ये समस्या बार-बार हो और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही हो, तब डॉक्टर दवाएं दे सकते हैं। ये दवाएं आमतौर पर नर्व्स को रिलैक्स करने के लिए होती हैं। जैसे कुछ एंटीडिप्रेसेंट या एंटी-सीजर दवाएं। ज्यादातर लोगों को सिर्फ सही जानकारी और लाइफस्टाइल सुधार से राहत मिल जाती है। सवाल- इस समस्या से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए पूरी नींद लेना सबसे जरूरी है। साथ ही कुछ और बातों का ख्याल रखें। जैसेकि- रोज एक ही समय पर सोने और उठने की आदत डालें। सोने से पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप बंद करें। कैफीन, शराब और स्मोकिंग कम करें। बहुत ज्यादा थकान हो तो तुरंत न सोएं। पहले थोड़ा रिलैक्स करें। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या वॉक करें। पीठ के बल सोने से कुछ लोगों में समस्या बढ़ती है, इसलिए साइड में सोने की कोशिश करें। अगर दवाएं ले रहे हैं, तो उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के अचानक बंद न करें।

विश्व पृथ्वी दिवस आज,धरती के पास आपके हर कदम का हिसाब, रोज 4 करोड़ पेड़ कटते हैं, 2100 ट्रक प्लास्टिक समुद्र में जाता है

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5. लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट-दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 ट्रक के बराबर प्लास्टिक समुद्रों में फेंका जाता है। यह सालाना 1.1 करोड़ टन होता है। यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इंसान हर हफ्ते 4.1 माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है-सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है।

करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही है। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज-मानवीय गतिविधियों के कारण हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी जाती है। इससे धरती की ओजोन परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही हैं।

रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वॉटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं।

मस्क का मंत्र,असंभव लक्ष्य देकर टीम की सोच बदल दें

द इकोनॉमिस्ट.न्यूयॉर्क। विश्वप्रसिद्ध आयरिश नाटककार व लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने लिखा था- 'तार्किक व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुसार ढालता है, जबकि अतार्किक व्यक्ति दुनिया बदलने की कोशिश करता है; प्रगति ऐसे ही लोगों से होती है।' इलॉन मस्क इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। मंगल पर बसाहट या दिमाग में चिप लगाना भले पागलपन लगे, पर मस्क के लिए यही भविष्य गढ़ने का असली एल्गोरिदम है। टेस्ला के पूर्व प्रेसिडेंट जॉन मैक्नील ने किताब 'द एल्गोरिदम' में मस्क की कार्यशैली व टेस्ला के विकास के अनकहे पहलू

सहेजे हैं। ये बिजनेस के साथ जिंदगी के प्रति भी नया नजरिया देंगे। लीडर्स से आम लोग तक इनसे सबक ले सकते हैं। दुनिया को अपने अनुसार ढालना-एक 'तार्किक' व्यक्ति वह है जो ऑफिस के नियमों व समाज की सीमाओं को मानकर चलता है। पर मस्क जैसे 'अतार्किक' लोग कहते हैं- कारें जमीन पर चलती हैं, तो मंगल पर क्यों नहीं? टेस्ला की ऑनलाइन सेल बढ़ाने के लिए उन्होंने यह नहीं कहा कि थोड़ी और कोशिश करो। उन्होंने टीम को 64 क्लिक की लंबी प्रक्रिया को घटाकर 10 क्लिक करने का असंभव लक्ष्य दिया। यह 'अतार्किकता' ही थी जिसने ई-कॉमर्स से कार बेचने का तरीका बदल दिया। 'द एल्गोरिदम' का पहला कदम है...परंपराओं की जंजीरें तोड़ना। अक्सर हम कोई काम इसलिए करते हैं क्योंकि बरसों से ऐसे ही हो रहा है। मस्क का नियम है कि चाहे वह नियम किसी स्मार्ट इंजीनियर ने बनाया हो या खुद उन्होंने, उस पर सवाल उठाएं। मस्क अक्सर पूछते हैं,'क्या यह पुर्जा वाकई जरूरी है?' अगर कोई कानून की दुहाई देता है तो वे उस कानून के पीछे के तर्क को भी चुनौती देते हैं। मस्क का मानना है कि कई नियम 'विकास की गति' को धीमा करने के लिए अनजाने में बन जाते हैं। सुधार नहीं, डिलीट-हमारा दिमाग अक्सर चीजों को सुधारने की कोशिश करता है, जबकि मस्क का एल्गोरिदम कहता है... उसे डिलीट कर दो। अगर फालतू कदम को सुधार रहे हैं, तो आप वक्त बर्बाद कर रहे हैं। कार बनाते वक्त कोई सेंसर बार-बार दिक्कत देता है, तो मस्क उसे बेहतर बनाने के बजाय पूछते हैं-'बिना सेंसर के काम चला सकते हैं?' यदि 10फीसदी चीजें डिलीट करने के बाद, वापस नहीं जोड़नी पड़ रही हैं, तो इसका मतलब है कि आपने अभी पर्याप्त चीजें डिलीट नहीं की हैं। सोच पूरी तरह बदलना-लक्ष्य 10-20फीसदी बढ़ाना है, तो हम पुरानी मेहनत को थोड़ा बढ़ा देते हैं। पर जब लक्ष्य 20 गुना बढ़ जाए, तब 'नवाचार' करना ही पड़ता है। 70 के दशक में साउथवेस्ट एयरलाइंस को अपने विमान मात्र 10 मिनट में वापस हवा में भेजने थे। यह 'तार्किक' रूप से असंभव था। इस दबाव ने उन्हें फार्मूला-1 रेसिंग के 'पिट-स्टॉप' क्रू से तकनीक सीखने पर मजबूर किया।

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय

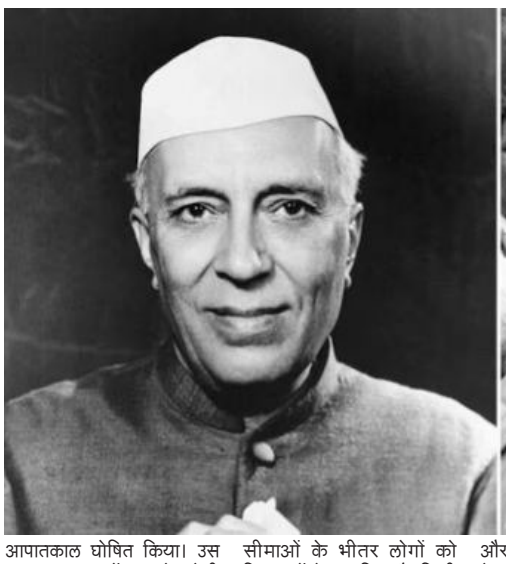

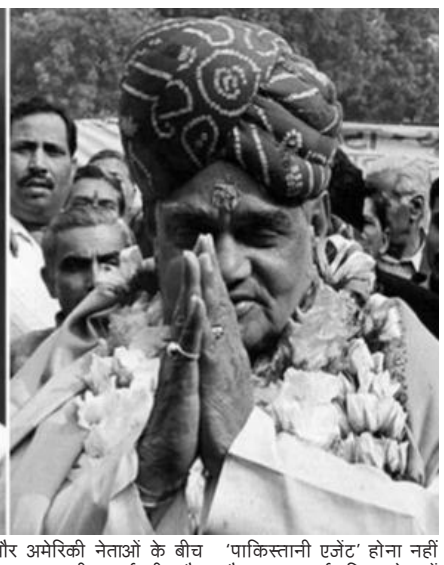

और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है-इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

महिलाओं को लेकर चुनावी तीर क्या निशाने पर लगेगा?

आने वाले समय के चुनावों पर जरा एक नजर डालें। 2027 की शुरुआत में होने वाले यूपी के चुनावों में महिलाओं का वोट निर्णायक भूमिका निभाएगा। इसमें योगी आदित्यनाथ लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश करेंगे। हालांकि असली लक्ष्य 2029 का लोकसभा चुनाव है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने भाजपा को 240 सीटों तक सीमित कर दिया था, जो 2014 के बाद उसका सबसे कम आंकड़ा है। वहीं कांग्रेस का मानना है कि 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में जीत उसे दक्षिण भारत में चुनावी तौर पर मजबूत पकड़ देगी। कर्नाटक और तेलंगाना में पहले ही उसकी सरकारें हैं, जबकि तमिलनाडु में वह गठबंधन सहयोगी है। यदि केरल भी उसके पक्ष में जाता है, तो एनडीए गठबंधन आंध्र प्रदेश (जहां उसकी सहयोगी टीडीपी की सरकार है) को छोड़ दक्षिण के चार राज्यों में सत्ता से बाहर हो जाएगा। 2027 में कांग्रेस को यह उम्मीद भी होगी कि वह उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश के साथ आम आदमी पार्टी-शासित पंजाब को भी अपने खाते में जोड़कर देशभर में अपने राज्यों की संख्या छह तक पहुंचा लेगी। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इससे राहुल गांधी 2029 में नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के लिए मजबूत स्थिति में आ जाएंगे। इंडिया गठबंधन के कांग्रेस के इर्द-गिर्द सिमटने के साथ ही पार्टी को विश्वास होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए को हराने का उसके पास एक वास्तविक अवसर होगा।इस रुझान को पलटने के लिए भाजपा ने दो रणनीतियां अपनाई हैं। पहली है हिंदुत्व पर और अधिक जोर देना। पार्टी ने संघ के साथ अपने कथित मतभेद खत्म कर लिए हैं। अब वह भारत के हिंदू बहुसंख्यकवाद को कम करके नहीं आंकती। भाजपा का दूसरा बड़ा दांव महिलाओं का जनसांख्यिकीय समूह है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को महिलाओं के वोटों का उल्लेखनीय हिस्सा मिला था। एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच वोट-शेयर का अंतर कम होने की स्थिति में महिलाओं का वोट एनडीए को निर्णायक बढ़त दिला सकता है। इसी के मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह ने भविष्य के भाजपा-नैरेटिव को गढ़ना शुरू कर दिया है। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाने के बाद उन्होंने इसीलिए विपक्ष को चेतावनी दी कि आप जहां भी वोट मांगने जाएंगे, आपको महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। इंडिया गठबंधन को भी एहसास है कि भाजपा ने महिलाओं के वोटर-समूह को साधने के लिए एक शक्तिशाली चुनावी नैरेटिव हासिल कर लिया है।

अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर के चुनाव दो परस्पर विरोधी कथानकों के इर्द-गिर्द घूमेंगे। भाजपा विपक्ष पर आरोप लगाएगी कि उसने उस विधेयक को हराकर महिलाओं को निराश किया, जो 2029 की प्रस्तावित 816 सीटों वाली लोकसभा में 272 महिला सांसदों को सशक्त बना सकता था। वहीं कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल और अन्य विपक्षी दल अब अल्पसंख्यक वोटों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे। विपक्ष के लिए मुस्लिम वोट कितने अहम हैं, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 21 प्रतिशत वोट-शेयर में से लगभग आधा हिस्सा अल्पसंख्यक वोटों से आने का अनुमान था। वहीं हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में पश्चिम बंगाल में तृणमूल के लिए मुस्लिम वोटों की अहमियत का विश्लेषण किया गया। अध्ययन का निष्कर्ष था कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों में तृणमूल की जीत में मुस्लिम वोट निर्णायक रहे थे। अध्ययन ने पांच ऐसे जिलों की पहचान की, जहां बड़ी मुस्लिम आबादी ने तृणमूल को स्पष्ट बढ़त दिलाई : मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दीनापुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना। इन जिलों में अल्पसंख्यक मतदाताओं के कारण तृणमूल का वोट शेयर 48 से 36.7 प्रतिशत के बीच रहा। क्या संविधान संशोधन विधेयक की विफलता का असर 23 और 29 अप्रैल को होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा? संभवतः नहीं, क्योंकि अधिकांश मतदाता पहले ही अपना मन बना चुके हैं। लेकिन आने वाले चुनावों में भाजपा का महिलाओं पर केंद्रित यह चुनावी तीर निशाने पर लग सकता है। भाजपा को भरोसा है कि विपक्ष को महिला-विरोधी करार देकर वह महिला वोटरों में अपनी अपील को बढ़ा पाएगी। यह अपील पहले ही मजबूत है, क्योंकि भाजपा-नीत सरकारों ने महिलाओं के पक्ष में कई नीतिगत कदम लागू किए हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे रह गए हैं

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले-खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सरकार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुरक्षा का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगरानी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई है, तब हंसी आती है।

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया। खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड 'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19

जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई। खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही।

नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया। फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

थाईलैंड में भारतीय टूरिस्ट पर नस्लभेदी कमेंट,रेस्टोरेंट स्टाफ बोली- इंडिया वेरी बैड; पुलिस बुलाने पर माफी मांगी

बैंकॉक। थाईलैंड के आओ नांग शहर में एक भारतीय

टूरिस्ट और ट्रैवल ब्लॉगर सूमो को नस्लभेदी कमेंट का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक रेस्टोरेंट की महिला स्टाफ उनसे 'इंडिया वेरी बैड' कहते नजर आ रही है। ब्लॉगर के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब वह नाश्ता करने गए थे। बिल में हल्की गड़बड़ी हुई, जिसके बाद अनुवाद के लिए महिला को बुलाया गया। जैसे ही उन्होंने अपनी राष्ट्रीयता भारत बताई, माहौल बदल गया और उन पर आरोप लगाए गए कि भारतीय पैसे नहीं देना चाहते। इसके बाद भारतीय टूरिस्ट ने पुलिस बुलाई। पुलिस के आने पर रेस्टोरेंट के मैनेजर ने माफी मांगी। ब्लॉगर सूमो ने बताया कि विवाद पैसे को लेकर नहीं था, क्योंकि रकम सिर्फ 120 थाई बात यानी करीब 349 रुपए थी। ब्लॉगर ने वीडियो में कहा कि यह पहली बार था जब उन्हें थाईलैंड में ऐसे व्यवहार का सामना करना पड़ा। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद ब्लॉगर ने संदर्भ देने के लिए एक और वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई लोग मान लेते हैं कि ऐसी स्थिति में गलती टूरिस्ट की ही होती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं था। ब्लॉगर ने बताया कि उन्हें बहस करने के बजाय टूरिस्ट पुलिस को बुलाना बेहतर लगा। पुलिस ने उनकी बात समझी और रेस्टोरेंट के मैनेजर ने उनसे माफी मांगी। इस घटना पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय को लेकर एक जैसी सोच बनाना गलत है। भारत में भी लोगों के मन में कुछ गलत धारणाएं होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ऐसी सोच सही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद कुछ लोगों ने ब्लॉगर का समर्थन किया। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। वहीं कुछ यूजर्स ने सवाल उठाए कि इसके पीछे पूरी कहानी क्या है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्लॉगर ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा निराशा इस बात से हुई कि कुछ भारतीय ही कमेंट में अपने लोगों के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां भी नस्लभेद दिखे, उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। भारतीयों के साथ विदेश में पहले भी हुए हैं ऐसे विवाद-भारतीय टूरिस्टों के साथ विदेश में भेदभाव या खराब व्यवहार की घटनाएं नई नहीं हैं। पिछले कुछ सालों में अलग-अलग देशों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें या तो नस्लभेदी कमेंट किए गए। 2023 में इंडोनेशिया के बाली में कुछ भारतीय टूरिस्टों पर स्थानीय नियम तोड़ने और सार्वजनिक जगहों पर अनुशासनहीनता के आरोप लगे थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भारतीयों को लेकर कई नकारात्मक टिप्पणियां देखने को मिलीं। इसी तरह 2022 में दुबई के एक रेस्टोरेंट में भारतीय ग्राहकों को सर्विस देने से मना करने का मामला सामने आया था। आरोप था कि स्टाफ ने कहा कि 'भारतीय ज्यादा मोलभाव करते हैं और टिप नहीं देते।' यह मामला वायरल हुआ तो रेस्टोरेंट मैनेजमेंट को सफाई देनी पड़ी।

पत्रकारिता के मायने

पत्रकारिता-ये सिर्फ पेशा नहीं, ज़िम्मेदारी का खुला मैदान

रास्ता पत्रकार के दरवाज़े पर आकर खुलता है। पर सच का है। जहाँ एंट्री तो हर कोई लेना चाहता है,पर टिकता वही है, जो सच्चाई का बोझ उठा सके। एक खबर बनती कैसे है, ये कम लोग जानते हैं। धूप में चलना, रात में निकलना, घंटों इंतज़ार करना, लोगों से बात करना, और कई बार अपनी जेब से खर्च करके सच्चाई तक पहुँचना पड़ता है। लेकिन दुनिया का हिसाब बड़ा सीधा है–'जो हमने कहा, वो कर दो, तो अच्छे पत्रकार, वरना, सवाल उठने लगते हैं!' नाली से लेकर न्याय तक,हर अधूरी कहानी का रास्ता पत्रकार तक आता है। किसी की सुनवाई नहीं हुई? सीधा जवाब – 'किसी पत्रकार को बुलाओ!' यानी सिस्टम जब रुक जाता है तो उम्मीद कलम से चलती है। बड़े अधिकारी हों या आम इंसान,जब बात अटकती है, तो दूसरा पहलू भी है–जिस पत्रकार से सबको उम्मीद है,उसकी अपनी ज़िंदगी कैसी है, ये सवाल शायद ही कोई पूछता है। उसका घर कैसे चलता है वो किन हालात में काम कर रहा है,उसके पास संसाधन हैं या नहीं,ये सब न्यूज़ वैल्यू में नहीं आता। और यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास है–जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है,वो कई बार बिना सहारे ही खड़ा रहता है। यहाँ तालियाँ कम, इम्तिहान ज्यादा हैं,यहाँ पहचान मिलती है, पर रास्ता आसान नहीं होता। पत्रकारिता में आना है तो ये समझ लो-यहाँ खबर लिखने से पहले, खुद को मजबूत बनाना पड़ता है। क्योंकि इस मैदान में, तुम सबकी आवाज़ बनते हो, पर अपनी आवाज़, अक्सर खुद ही संभालनी पड़ती है।

ट्रम्प बोले- ईरान कंगाल हो रहा,नाकेबंदी से रोज डॉ.500 मिलियन नुकसान, ईरानी दूत बोले- नाकेबंदी हटने के बाद ही बातचीत

वॉशिंगटन डीसी। ईरान के साथ एकतरफा सीजफायर बढ़ाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी की तारीफ की है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा- ईरान आर्थिक रूप से टूट रहा है। उसके पास पैसों की कमी हो रही है, इसलिए तुरंत होर्मुज स्ट्रेट खोलना चाहता है।उन्होंने दावा किया कि नाकेबंदी की वजह से ईरान को रोज करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। ईरान की सेना और पुलिस को समय पर वेतन नहीं मिल रहा और देश के अंदर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। वही, ईरान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने कहा है कि नाकेबंदी हटने के बाद ही अमेरिका से बातचीत हो सकती है। भारत में डाइट कोक की कमी, कैन सप्लाई अटकी-ईरान युद्ध की वजह से भारत में डाइट कोक की कमी हो गई है। दरअसल, भारत में डाइट कोक सिर्फ एल्यूमिनियम के कैन में बिकती है और इन कैन की सप्लाई प्रभावित हो गई है। खाड़ी देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, क्योंकि होर्मुज में नाकेबंदी है। खाड़ी देश दुनिया के करीब 9 प्रतिशत एल्यूमिनियम का उत्पादन करते हैं, लेकिन फरवरी के अंत से यह सप्लाई अटकी हुई है। भारत में आम तौर पर सॉफ्ट ड्रिंक प्लास्टिक बोतल और कैन दोनों में मिलती हैं, लेकिन डाइट कोक सिर्फ कैन में ही उपलब्ध होती है, इसलिए इसकी कमी ज्यादा महसूस हो रही है। कोका-कोला जैसे कुछ डिस्ट्रीब्यूटर्स ने बताया कि कंपनी ने सप्लाई सीमित कर दी है और कई ऑर्डर पूरे नहीं किए जा रहे हैं। हालांकि इस पर कंपनी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। एक पाकिस्तानी सुरक्षा विशेषज्ञ का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत के मुद्दे पर ईरान की नेतृत्व टीम में कोई बंटवारा नहीं है, बल्कि सभी एकमत हैं। पाकिस्तान के

रक्षा मंत्रालय की सलाहकार मारिया सुल्तान ने अल जजीरा से कहा कि यह कहना गलत होगा कि ईरान की लीडरशिप बंटी हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दों पर, क्या हासिल करना है और आगे कैसे बढ़ना है, इस पर ईरान के नेताओं के बीच एक जैसी सोच दिखाई देती है। अब ईरान में फैसले मिलकर लिए जा रहे हैं और सबकी राय ली जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस्लामाबाद को लग रहा है कि ईरान बातचीत को लेकर एकजुट है और आगे बढ़ना चाहता है।चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान के साथ युद्ध से पैदा हुए आर्थिक असर से निपटने में चीन अफ्रीकी देशों की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने यह बात मोजाम्बिक के राष्ट्रपति डैनियल चापो से बीजिंग में मुलाकात के दौरान कही। चापो का यह दौरा खास माना जा रहा है क्योंकि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह किसी अफ्रीकी नेता का पहला चीन दौरा है। साथ ही शी जिनपिंग लगातार विदेशी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं, क्योंकि मई में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के चीन दौरे की संभावना जताई जा रही है। अफ्रीकी देश इस समय ज्यादा दबाव में हैं क्योंकि वे ईंधन, खाद और खाद्य पदार्थों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक सप्लाई पर असर पड़ा है, जिसका सीधा असर इन देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

पाक सीमा पर ईरान का बड़ा एक्शन- घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों को किया ढेर

तेहरान। ईरानी सेना ने पाकिस्तान से घुसपैठ कर रहे

आतंकवादियों को सीमा पर ही मार गिराया है। यह घुसपैठ तब हुई है, जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहा है। ईरानी सेना ने बताया है कि ये आतंकवादी रास्क बॉर्डर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इनका इरादा ईरान में आतंकी घटनाओं को अंजाम देना और लोगों में दहशत फैलाना था। ईरान ने सीमा पर और अधिक चौकसी बरतने और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरान ने क्या बताया-ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सिक्योरिटी फोर्स ने जैश अल-ज़ुल्म टेररिस्ट ग्रुप की एक ऑपरेशनल टीम को तबाह कर दिया, जब वे पाकिस्तान बॉर्डर से रास्क इलाके में घुसे थे, जिसमें कई मिलिटेंट मारे गए। एजेंसी ने इन आतंकवादियों की राष्ट्रीयता नहीं बताई है, लेकिन इतना जरूर कहा है कि ये सभी पाकिस्तान से होकर ईरान में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद से ईरान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी को और ज्यादा बढ़ा दिया है।ईरान और पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी समूहों का मुद्दा काफी जटिल है। इन आतंकवादी गुट दोनों देशों की सुरक्षा और कूटनीतिक रिश्तों के लिए एक बड़ी चुनौती रहे हैं। इस कारण ईरान और पाकिस्तान में कई बार सैन्य संघर्ष भी हो चुका है। ये आतंकवादी गुट ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान और पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक्टिव हैं। ये आतंकवादी गुट ईरान में कई बड़े हमलों को भी अंजाम दे चुके हैं। इनमें जैश-अल-अदल और अंसार अल-फुरकान प्रमुख हैं। ईरान के खिलाफ एक्टिव आतंकवादी गुटों को जानें-हाल के रिपोर्टों के अनुसार, जैश अल-अदल ने 2025 के अंत में अन्य बलूच सशस्त्र संगठनों के साथ मिलकर पीपुल्स फाइटर्स फ्रंट का गठन किया है।

यह समूह ईरानी सीमा रक्षकों पर हमलों, आत्मघाती धमाकों और अपहरण की घटनाओं को अंजाम देता है। अंसार अल-फुरकान एक सुन्नी जिहादी समूह है जो ईरान के भीतर सक्रिय है। यह हरकत अल-अंसार और हिज्ब अल-फुरकान के विलय से बना था। यह समूह अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों से वैचारिक रूप से प्रेरित माना जाता है।

विन्ध्य लॉ कॉलेज गोरडीहा में पृथ्वी दिवस पर पौधरोपणः सिविल जज सीनियर डिविजन राहुल ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विन्ध्य लॉ कॉलेज

गोरडीहा रॉबर्ट्सगंज में बुधवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल जज सीनियर डिविजन/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राहुल, चीफ एलएडीसी शमशेर बहादुर सिंह एवं परावैधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्र दीपन कुमार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राहुल द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। छात्र-छात्राओं ने पृथ्वी दिवस पर मुख्य अतिथि के साथ पौधरोपण किया तथा 'पृथ्वी हमारी नहीं, हम पृथ्वी के हैं' विषय पर पृथ्वी और पर्यावरण के संबंध को व्यापक रूप से रखते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने वर्तमान परिदृश्य में पृथ्वी एवं पर्यावरण के महत्व व उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन विधि प्रवक्ता निशा सेठ द्वारा किया गया एवं समापन वरिष्ठ प्रवक्ता आकाश कुमार जायसवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चीफ ट्रस्टी अजय कुमार सिंह, प्राचार्या डॉ. अंजली विक्रम सिंह, डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह, प्रमोद कुमार, सत्यप्रकाश पाण्डेय, रजनीकान्त, दीपक त्रिपाठी एवं अन्य कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजयुमो का प्रदर्शनः जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस सपा के खिलाफ पुतला दहन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा सोनभद्र के जिलाध्यक्ष विशाल पाण्डेय के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर स्वर्ण जयन्ती चौक पर कांग्रेस व पूरे विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन व प्लेकार्ड के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा विशाल पाण्डेय ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने के लिए लोकसभा व विधानसभा में आरक्षण का प्रावधान करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस द्वारा इस बिल का विरोध करना दर्शाता है कि उनकी मानसिकता सदैव महिला विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के कई दशकों बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी नाम मात्र रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विसंगति को दूर कर महिलाओं को देश में विकास की मुख्यधारा में लाना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस की बाधा डालने वाली राजनीति संकीर्ण सोच को उजागर कर रही है। जिला महामंत्री युवा मोर्चा रजनीश रघुवंशी ने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि देश की बेटियां-महिलाएं आगे बढ़कर नेतृत्व करें। यह विरोध केवल एक बिल का नहीं बल्कि देश की आधी आबादी के हक का विरोध है। यदि कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के राह में रोड़े अटकाना बंद नहीं किया तो आन्दोलन और उग्र होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल का विरोध करने वालों को देश की माताएं-बहनें आगे आने वाले चुनाव में जवाब देंगी। इस मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, महेश्वर चन्द्रवंशी, बृजेश श्रीवास्तव, मनोज सोनकर, प्रसन्न पटेल, बलराम सोनी, अमन वर्मा, विपिन तिवारी, कुंवर चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा हिरेश द्विवेदी, संदीप सिंह,रीतु अग्रहरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके पृथ्वी दिवस को खास बनाने के लिए पर्यावरण से जुड़ी कई गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं इसलिये हम सभी को पेड़ लगाना चाहिए, प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए और प्रदुषण को कम करना चाहिए। ओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया की हमें घरों व ऑफिस में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट व साईकिल का इस्तेमाल करना चाहिए प्रकृति के सैर पर जाना चाहिए अपनी जीवन शैली में छोटे छोटे बदलाव करके आप पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं हमें अपने परिवार के सदस्यों एवं दोस्तों को पर्यावरण और पृथ्वी को बचाने के लिए अच्छे तरीकों के बारे में शिक्षित एवं प्रेरित करना चाहिए। संस्था के सचिव विष्णु तिवारी ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया की भारी मात्रा में पेड़ काटे जाने, नदी व वायु प्रदूषण के चलते ग्लोबल वार्मिंग पुरे विश्व के लिए खतरे का संकेत हैं पृथ्वी का संतुलन बिगड़ना हम सभी के लिए एक बड़ी समस्या हैं हर किसी को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए आज विश्व पृथ्वी दिवस के दिन सभी को धरती माता को बचाने और पर्यावरण को बेहतर

बनाने एवं पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए इसी प्रकार से आज विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसी प्रकार से आज विद्यालय के बच्चों को जागरूक करते हुए रैली, पोस्टर चित्रकला प्रतियोगिता कराकर जागरूक किया गया विद्यालय के बच्चों ने रैली के माध्यम से नारा लगाया की धरती बचाओ वृक्ष लगाओं, पर्यावरण बचाओं प्रदूषण हटाओं इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों एवं बच्चियों को सम्मानित किया गया और कपड़े का झोला वितरण किया गया। विभाग संयोजक विनोद कुमार जालान ने बताया कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन से चिंतित है। धरती पर निरंतर बढ़ते तापक्रम से जीव और वनस्पति जगत के लिए संकट उत्पन्न कर दिया है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने जीवन को प्रभावित कर दिया है। जलवायु परिवर्तन के कारण आज अतिवृष्टि,अल्प वृष्टि अनावृष्टि, सूखा,बाढ़, बादल फटना बिजली गिरना शीतलहर, तूफान,भीषण गर्मी, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक विभीषिकाओं का सामना करना पड़ रहा है। धरती पर बढ़ते तापक्रम के कारण समुद्र का जलस्तर ऊपर उठ रहा है।समुद्र के किनारे बसे नगरों के लिए खतरे की घंटी है।जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए हम अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास कर सकते हैं। पर्यावरण और प्रकृति का संरक्षण करना हमारा दायित्व है, विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरण की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरेंद्र जी नगर प्रचारक, विनोद जालान जी, प्रतिमा चौबे, उमाकांत दुबे , योगेश नारायण सिँह, दीक्षित तिलक, हरिओम पाण्डेय अश्विनी कुमार रामनारायण, रवि कुमार उपस्थित रहे।

'अन्नदाताओं के प्रति सरकार पूरी तरह संवेदनहीन': गेहूं खरीद में अव्यवस्था पर भड़के मोर्चा संयोजक संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने अन्नदाताओं को दौड़ा रहे हैं।संदीप मिश्र ने कहा कि प्रचंड गर्मी में अन्नदाता अपनी फसल बेचने को दर-दर की ठोकरें खा रहा है। यह सरकार की संवेदनहीनता को दिखाता है। अन्नदाताओं से सरकार को कोई सरोकार नहीं है। मोर्चा संयोजक संदीप मिश्र ने बताया कि जब किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का दल क्षेत्रीय भ्रमण पर निकला, तब किसानों के ट्रैक्टरों की लंबी लाइन देखकर वह भड़क गए। रामगढ़ क्रय केंद्र पर खरीद में लगे लोगों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जल्द लाइन खत्म न हुई और सभी किसान परिवारों का गेहूं जल्द न उतारा गया तो मोर्चा बड़े आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि मोर्चा भ्रष्टाचारी लोगों को छोड़ने वाला नहीं है। इस

गेहूं खरीद में हो रही अव्यवस्था पर सरकार को संवेदनहीन बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार धान की खरीद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई, ठीक उसी प्रकार गेहूं खरीद में क्रय केंद्र प्रभारी दौरान स्थानीय किसान अरुण पाण्डेय, राजेस चौहान, पवन मौर्य, उदित कुमार, प्रकाश पाण्डेय जैसे साथ किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ लोग मौजूद रहे।

पार्टनर इंटीमेट होना चाहता है पर मैं अभी तैयार नहीं हूं, मैं मना करती हूं, वो जिद करता है, उसे कैसे समझाऊं?

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 24 साल है। मैं मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हूं। एक साल से रिलेशनशिप में हूं। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। प्रॉब्लम ये है कि मेरा बॉयफ्रेंड इंटीमेट होना चाहता है, लेकिन अभी मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं। वो अलग-अलग तरीकों से कहता है, इंसिस्ट करता है और मुझे कन्विंस करने की कोशिश करता है। मैं 'हां' बोलने के लिए तैयार नहीं हूं और खुलकर 'ना' भी नहीं बोल पा रही हूं। मैं उसे कैसे समझाऊं? इस सिचुएशन से कैसे डील करूं? प्लीज गाइड मी।जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया, आपने जरूरी सवाल पूछा है। इससे बहुत लोगों को डिसीजन मेकिंग में मदद मिलेगी। रिलेशनशिप में अच्छी बॉन्डिंग पॉजिटिव इंटेंट है, लेकिन फिजिकल इंटीमेसी पूरी तरह आपकी सहजता और मानसिक तैयारी पर निर्भर है। इंटीमेसी कोई 'रिलेशनशिप टेस्ट' नहीं है, जिसे पास करना जरूरी ही है। एक हेल्दी रिश्ते में 'ना' का सम्मान, 'हां' से भी ज्यादा जरूरी है। अगर आप तैयार नहीं हैं तो दबाव में लिया गया कोई भी फैसला आपकी मेंटल हेल्थ और रिश्ते, दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और सॉल्यूशन पर बात करते हैं। सबसे पहले 'नो' का मतलब समझिए-'नो' का मतलब सिर्फ 'नो' है-बॉलीवुड की एक फिल्म

शामिल है। 'नो' कहने पर मैनिपुलेट कर सकता है पार्टनर ऐसी कंडीशन में पार्टनर अक्सर 'इमोशनल मैनिपुलेशन' का सहारा लेते हैं। आपने लिखा भी है कि पार्टनर तरह-तरह से इंसिस्ट करता है। यह प्यार नहीं, बल्कि कंट्रोलिंग का एक तरीका है। अगर किसी शर्त या दबाव के बाद पार्टनर 'हां' कहे तो उसका मतलब 'ना' ही होता है। इसे दोनों को समझना होगा। 'बात मानने' और 'कंसेंट' में बड़ा फर्क-रिश्ते में किसी की बात मान लेना और मन से राजी होना, दोनों में बड़ा फर्क है। फीमेल पार्टनर झगड़ा टालने या सामने वाले की खुशी के लिए 'हां' कह देती हैं, लेकिन असल में तैयार नहीं होतीं। ऐसी मजबूरी में दी गई सहमति धीरे-धीरे रिश्ते में कड़वाहट घोल सकती है। समझिए कि किस 'हां' का मतलब कंसेंट नहीं है- गर आप अपने मन और मूल्यों के खिलाफ जाकर पार्टनर की खुशी के लिए समझौता करती हैं तो यह 'सेल्फ-बिट्रेयल' (स्वयं को धोखा देना) है। इसका आपके व्यक्तित्व पर गहरा असर पड़ता है। इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। पार्टनर वो जो 'नो' का सम्मान करे-अगर पार्टनर आपकी 'ना' सुनने के बाद भी बार-बार वही बात दोहराता है या नाराज होता है तो संभल जाएं। यह संकेत है कि वह आपकी भावनाओं से ज्यादा अपनी जरूरतों को अहमियत दे रहा है। अच्छा है, 'पिंक।' फिल्म के आखिरी सीन में अमिताभ बच्चन बतौर लॉयर कोर्ट में दलील देते हुए कहते हैं, 'नो का मतलब सिर्फ नो होता है।' दुनिया के हर शख्स, खासतौर पर पुरुषों को यह बात समझने की बहुत जरूरत है। नो का मतलब 'शायद' नहीं होता। नो का मतलब 'फिर कभी' नहीं होता। नो का मतलब 'बाद में' नहीं होता। नो का मतलब 'कल, परसों' नहीं होता। नो का मतलब सिर्फ 'नो' होता है।सहमति-इंटीमेसी की पहली और सबसे जरूरी शर्त-किसी भी रिश्ते में कंसेंट यानी सहमति को सही तरीके से समझना बहुत जरूरी है। यह सिर्फ एक बार 'हां' कहने तक सीमित नहीं होता। इसमें अपनी मर्जी, सहजता और कभी भी फैसला बदलने का हक पार्टनर 'नो' का सम्मान करता है। अपने साथ समझौता न करें-रिलेशनशिप में अपनी सीमाएं तय करना स्वार्थ नहीं, बल्कि सेल्फ-रिस्पेक्ट है। जो पार्टनर आपकी 'ना' का सम्मान नहीं कर सकता, उससे भविष्य में हेल्दी रिलेशनशिप की उम्मीद करना मुश्किल है। इस स्थिति से कैसे निपटें? अगर आप ऐसी दुविधा में हैं तो इन 4 स्टेप्स की मदद से स्थिति को संभाल सकती हैं-1. आमने-सामने बैठकर बात करें- इशारों में बात करने की बजाय पार्टनर के साथ बैठकर बात करें। उसे स्पष्ट शब्दों में कहें- 'मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमारे रिश्ते की कद्र करती हूं, लेकिन अभी मैं इंटीमेसी के लिए मेंटली तैयार नहीं हूं।' अगर आपके बीच वाकई अच्छी 'इमोशनल मैनिपुलेशन' का सहारा लेते हैं। आपने लिखा भी है कि पार्टनर तरह-तरह से इंसिस्ट करता है। यह प्यार नहीं, बल्कि कंट्रोलिंग का एक तरीका है। अगर किसी शर्त या दबाव के बाद पार्टनर 'हां' कहे तो उसका मतलब 'ना' ही होता है। इसे दोनों को समझना होगा। 'बात मानने' और 'कंसेंट' में बड़ा फर्क-रिश्ते में किसी की बात मान लेना और मन से राजी होना, दोनों में बड़ा फर्क है। फीमेल पार्टनर झगड़ा टालने या सामने वाले की खुशी के लिए 'हां' कह देती हैं, लेकिन असल में तैयार नहीं होतीं। ऐसी मजबूरी में दी गई सहमति धीरे-धीरे रिश्ते में कड़वाहट घोल सकती है। समझिए कि किस 'हां' का मतलब कंसेंट नहीं है- गर आप अपने मन और मूल्यों के खिलाफ जाकर पार्टनर की खुशी के लिए समझौता करती हैं तो यह 'सेल्फ-बिट्रेयल' (स्वयं को धोखा देना) है। इसका आपके व्यक्तित्व पर गहरा असर पड़ता है। इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। पार्टनर वो जो 'नो' का सम्मान करे-अगर पार्टनर आपकी 'ना' सुनने के बाद भी बार-बार वही बात दोहराता है या नाराज होता है तो संभल जाएं। यह संकेत है कि वह आपकी भावनाओं से ज्यादा अपनी जरूरतों को अहमियत दे रहा है। अच्छा है, 'पिंक।' फिल्म के आखिरी सीन में अमिताभ बच्चन बतौर लॉयर कोर्ट में दलील देते हुए कहते हैं, 'नो का मतलब सिर्फ नो होता है।' दुनिया के हर शख्स, खासतौर पर पुरुषों को यह बात समझने की बहुत जरूरत है। नो का मतलब 'शायद' नहीं होता। नो का मतलब 'फिर कभी' नहीं होता। नो का मतलब 'बाद में' नहीं होता। नो का मतलब 'कल, परसों' नहीं होता। नो का मतलब सिर्फ 'नो' होता है।सहमति-इंटीमेसी की पहली और सबसे जरूरी शर्त-किसी भी रिश्ते में कंसेंट यानी सहमति को सही तरीके से समझना बहुत जरूरी है। यह सिर्फ एक बार 'हां' कहने से रिश्ता टूट जाएगा, लेकिन याद रखें कि खुद की मर्जी के खिलाफ जाकर कुछ करना प्यार नहीं, समझौता है। आपका मानसिक सुकून और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर होना चाहिए। जो रिश्ता आपकी सहजता की कीमत मांगे, वह लंबे समय तक खुशी नहीं दे सकता। 3. पार्टनर की प्रतिक्रिया को नोटिस करें-'ना' कहने के बाद यह जरूर देखें कि आपके पार्टनर का व्यवहार कैसा है। क्या वह आपकी बात मानकर आपको समय दे रहा है? या फिर नाराज हो रहा है, इमोशनल ब्लैकमेल कर रहा है या नजरअंदाज कर रहा है? उसकी यह प्रतिक्रिया आपको बताएगी कि वो आपसे प्यार करता है या सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करना चाहता है। 4. गिल्ट से पूरी तरह बाहर निकलें-कई बार लड़कियां 'ना' कहने के बाद खुद को दोषी महसूस करने लगती हैं। उन्हें लगता है कि उन्होंने पार्टनर का दिल दुखाया है। यह समझना जरूरी है कि अपनी बॉडी और लाइफ पर आपका पूरा अधिकार है। 'ना' कहना आपका बुनियादी हक है। खुद को यह बताएं कि आपने कोई गलती नहीं की है।

शूटिंग रोकी तो मधुबाला को कठघरे तक ले पहुंचे बी.आर.चोपड़ा,प्रिंस ने भारत को समझने के लिए इनकी फिल्म देखी

मुंबई। 22 अप्रैल 1914 ठीक 112 साल पहले अखंड भारत के पंजाब में पीडब्ल्यूडी में सरकारी नौकरी करने वाले विलायती राज चोपड़ा के घर बेटे बलदेव का जन्म हुआ। बलदेव राज चोपड़ा, 6 भाई-बहनों के परिवार में दूसरे नंबर पर थे। पढ़ाई में अव्वल रहने वाले बलदेव के लिए पिता ने बचपन से सोच रखा था कि इसे सरकारी अफसर बनाऊंगा। समय बीता और तैयारी शुरू कर दी गई। पाकिस्तान के लाहौर गवर्नमेंट कॉलेज में इंग्लिश में मास्टर डिग्री लेते हुए उनका इंडियन सिविल सर्विस का फॉर्म भरवाया गया। पिता को उम्मीद थी कि बेटा परीक्षा निकाल लेगा, लेकिन परीक्षा की तारीखों से ठीक पहले बलदेव की तबीयत ऐसी बिगड़ी की पूरी तैयारी में पानी फिर गया। परीक्षा दी, परिणाम आए तो वो फेल हो चुके थे। बलदेव खूब रोए। पिता ने समझाया, कुछ दिनों के लिए लंदन चले जाए, 6 महीनें बाद फिर तारीख है, तब पेपर दे देना। रोते हुए बच्चे ने एक ही जवाब दिया- अब कभी सरकारी नौकरी नहीं करूंगा।सरकारी नौकरी का सपना चूर-चूर हो गया, लेकिन किसे पता था कि वही लड़का एक दिन हिंदी सिनेमा में इतिहास रच देगा। वो फेल होने वाला लड़का था बलदेव राज चोपड़ा, जिसे देश बी.आर.चोपड़ा नाम से जानता है। जिसकी फिल्मों की तारीफ तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तक किया करते थे। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के दंगों के बीच हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले बी.आर.चोपड़ा ने हमराज, नया दौर, साधना, निकाह, कानून जैसी कई सुपरहिट फिल्में बनाईं। समय से आगे चलने वाली कहानियां और सस्पेंस, किरदारों की कहानियों ने दर्शकों को खूब बांधे रखा और फिर 1988 में उन्होंने टीवी शो महाभारत बनाया, तो भगवान और पौराणिक कथा को घर-घर पहुंचातकर इतिहास ही रच दिया।लोग शो शुरू होने से पहले चप्पल उतारकर, जमीन पर हाथ जोड़े बैठते, तो कुछ टीवी की आरती उतारते। वो शो, जिसके नाम आज भी विश्व रिकॉर्ड है। इस कामयाबी के सफर में बी.आर.चोपड़ा की जिद और स्वाभिमान भी चर्चा में रहा। कभी शूटिंग में खलल पैदा करने वालीं मधुबाला को कठघरे में खड़ा किया, तो कभी गोविंदा जैसे स्टार को ऑफिस से बाहर भगा दिया। बी.आर. चोपड़ा की आज 112 वीं बर्थ एनिवर्सरी है, इस खास मौके पर पढ़िए, उनके फिल्मों में आने और इतिहास रचने से जुड़े कुछ चुनिंदा किस्से-कॉलेज के दिनों में बी.आर.चोपड़ा ने कलकत्ता के वैराइटी अखबार के लिए लिखना शुरू कर दिया। उनका पहला आर्टिकल फिल्मों पर था। एक आर्टिकल में फिल्म बनाने वाले कलाकारों को ललकारते हुए उन्होंने लिखा, कुछ अच्छा बनाओ, कहानी डालो, समाज को बताओ की समाज में क्या चल रहा है, क्या दिक्कतें हैं। आर्टिकल कलकत्ता भेजा, लेकिन वो छपा ही नहीं। अगले 3 आर्टिकल भी छपे नहीं। तीसरे हफ्ते उन्हें एक पार्सल मिला, जिसमें वैराइटी अखबार की एक प्रति थी, जिसमें बी.आर.चोपड़ा उनकी जिद पर मान गए। अगले ही दिन से संजीव कुमार ने डाइटिंग शुरू कर दी। अगले दिन सेट पर उनके लिए खाने में सिर्फ सलाद और सूप आया। उन्होंने खाना खाया और बी.आर.चोपड़ा से कहा- चोपड़ा अब मैं थोड़ी देर सो जाता हूं। थोड़ी देर बाद चोपड़ा साहब का लंच आया। जैसे ही वो खोला गया, तो उसमें फिश करी और चावल थे। खूशबू आते ही संजीव कुमार उठ खड़े हुए और कहा- आज के दिन डाइटिंग छोड़ देता हूं। ऐसा ही उन्होंने रोज किया। वो पहले सलाद खाते और फिर दूसरों के घर से आने वाला लजीज खाना। एक महीने बाद जब उस गाने की शूटिंग की बारी आई, तो संजीव कुमार का वजन पहले से भी कहीं ज्यादा बढ़ा हुआ था। मजबूरन उन्हें तोंद के साथ ही शूटिंग करनी पड़ी। ये गाना उस समय काफी हिट रहा, जिसे आज भी सुना जाता है।

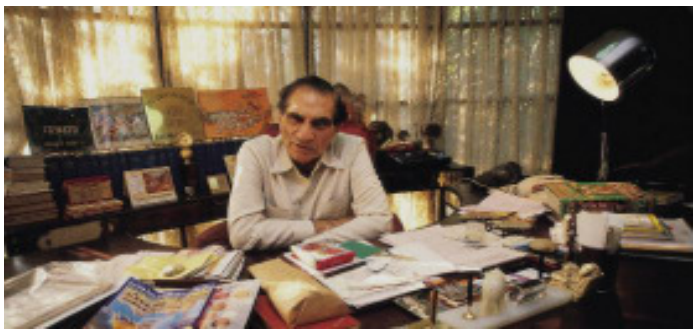

सिनेमा में इतिहास रच देगा। वो फेल होने वाला लड़का था बलदेव राज चोपड़ा, जिसे देश बी.आर.चोपड़ा नाम से जानता है। जिसकी फिल्मों की तारीफ तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तक किया करते थे। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के दंगों के बीच हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले बी.आर.चोपड़ा ने हमराज, नया दौर, साधना, निकाह, कानून जैसी कई सुपरहिट फिल्में बनाईं। समय से आगे चलने वाली कहानियां और सस्पेंस, किरदारों की कहानियों ने दर्शकों को खूब बांधे रखा और फिर 1988 में उन्होंने टीवी शो महाभारत बनाया, तो भगवान और पौराणिक कथा को घर-घर पहुंचातकर इतिहास ही रच दिया।लोग शो शुरू होने से पहले चप्पल उतारकर, जमीन पर हाथ जोड़े बैठते, तो कुछ टीवी की आरती उतारते। वो शो, जिसके नाम आज भी विश्व रिकॉर्ड है। इस कामयाबी के सफर में बी.आर.चोपड़ा की जिद और स्वाभिमान भी चर्चा में रहा। कभी शूटिंग में खलल पैदा करने वालीं मधुबाला को कठघरे में खड़ा किया, तो कभी गोविंदा जैसे स्टार को ऑफिस से बाहर भगा दिया। बी.आर. चोपड़ा की आज 112 वीं बर्थ एनिवर्सरी है, इस खास मौके पर पढ़िए, उनके फिल्मों में आने और इतिहास रचने से जुड़े कुछ चुनिंदा किस्से-कॉलेज के दिनों में बी.आर.चोपड़ा ने कलकत्ता के वैराइटी अखबार के लिए लिखना शुरू कर दिया। उनका पहला आर्टिकल फिल्मों पर था। एक आर्टिकल में फिल्म बनाने वाले कलाकारों को ललकारते हुए उन्होंने लिखा, कुछ अच्छा बनाओ, कहानी डालो, समाज को बताओ की समाज में क्या चल रहा है, क्या दिक्कतें हैं। आर्टिकल कलकत्ता भेजा, लेकिन वो छपा ही नहीं। अगले 3 आर्टिकल भी छपे नहीं। तीसरे हफ्ते उन्हें एक पार्सल मिला, जिसमें वैराइटी अखबार की एक प्रति थी, जिसमें बी.आर.चोपड़ा उनकी जिद पर मान गए। अगले ही दिन से संजीव कुमार ने डाइटिंग शुरू कर दी। अगले दिन सेट पर उनके लिए खाने में सिर्फ सलाद और सूप आया। उन्होंने खाना खाया और बी.आर.चोपड़ा से कहा- चोपड़ा अब मैं थोड़ी देर सो जाता हूं। थोड़ी देर बाद चोपड़ा साहब का लंच आया। जैसे ही वो खोला गया, तो उसमें फिश करी और चावल थे। खूशबू आते ही संजीव कुमार उठ खड़े हुए और कहा- आज के दिन डाइटिंग छोड़ देता हूं। ऐसा ही उन्होंने रोज किया। वो पहले सलाद खाते और फिर दूसरों के घर से आने वाला लजीज खाना। एक महीने बाद जब उस गाने की शूटिंग की बारी आई, तो संजीव कुमार का वजन पहले से भी कहीं ज्यादा बढ़ा हुआ था। मजबूरन उन्हें तोंद के साथ ही शूटिंग करनी पड़ी। ये गाना उस समय काफी हिट रहा, जिसे आज भी सुना जाता है।

किस्सा-4, फिल्म देखकर विधवा लड़की के पिता ने बदली सोच, करवाई दूसरी शादी-एक दिन बी.आर.चोपड़ा अपने दफ्तर में बैठे थे कि तभी एक आदमी आकर उनके कदमों में गिर गया। बी.आर.चोपड़ा ने वजह पूछी तो उसने कहा, मैं एक छोटे से गांव का हैडमास्टर हूं, मेरी बेटी की 8 महीने पहले शादी हुई थी। बदकिस्मती से 3 महीने बाद ही उसके पति की मौत हो गई। मैं उसे घर ले आया। हम घर से निकलते नहीं थे। हमें लगा दुनिया खत्म हो गई है। खाना-पीना भी लगभग बंद कर दिया था। एक दिन मेरे स्कूल का दूसरा हैडमास्टर आया और कहा, चलो तुम्हें सिनेमा ले चलूं। मैंने उसे कहा- मेरी बेटी विधवा है, मैं सिनेमा देखना छोड़ चुका हूं। उसने कहा, कब तक छिपे रहोगे, कभी तो बाहर निकलोगे। हैडमास्टर ने कहानी आगे सुनाते हुए बी.आर.चोपड़ा से कहा- साहब, मैं पिक्चर देखने चला गया, पिक्चर थी, हमराज। उसमें एक गाना था, न मुंह छुपा के जियो और न सिर झुका के जियो। गमों का दौर भी आए तो मुस्कुरा के जियो। घर आकर मैंने बेटी से कहा, देखो, जिंदगी तो चलने का नाम है, रुकने का नहीं। आगे उस शख्स ने कहा, चोपड़ा साहब, मैं आज इसलिए आपके पैरों पर हूं। मैंने फिल्म देखी, मैंने अपनी बेटी की दूसरी शादी करवा दी। आज वो बहुत खुश है। मैं भी बहुत खुश हूं। इसलिए आपको धन्यवाद देने आया हूं।

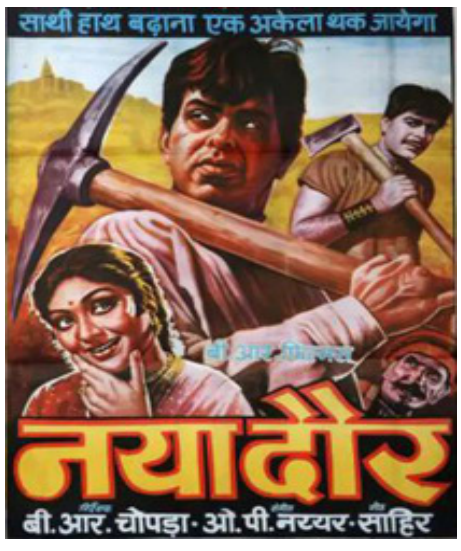

किस्सा-5, शूटिंग रुकी तो मधुबाला के खिलाफ कर दिया केस-50 के दशक में मधुबाला और दिलीप कुमार रिलेशनशिप में थे। फिल्म इंसानियत (1955) के प्रीमियर में साथ पहुंचकर दोनों रिश्ते पर मुहर लगा चुके थे। हालांकि तब ये खबरें भी थीं कि मधुबाला के पिता इस रिश्ते के बेहद खिलाफ हैं। दरअसल, 1956 में खबरें आईं कि दोनों शादी कर सकते हैं, दिलीप कुमार ने ये शर्त रखी थी कि शादी के बाद मधुबाला फिल्मों में काम नहीं करेंगी। शादी के बाद इनकम रुकने डर से मधुबाला के पिता अताउल्लाह खान इस शादी के खिलाफ थे। मधुबाला पर कई पाबंदियां लगीं और उन्हें दिलीप कुमार से अलग-अलग रखने के लिए कहा जाने लगा। इसी समय बी.आर.चोपड़ा ने मधुबाला को 32 हजार रुपए का साइनिंग अमाउंट देकर दिलीप कुमार के साथ फिल्म नया दौर में साइन किया। फिल्म की 15 दिनों की शूटिंग मुंबई में हुई, जिसके बाद आगे की शूटिंग भोपाल में होनी थी। जब ये बात मधुबाला के पिता तक पहुंची तो उन्होंने एक्ट्रेस को भेजने से साफ इनकार कर दिया। उन्हें लगा कि दिलीप कुमार ने मुंबई में पाबंदियां बढ़ने पर भोपाल में शूटिंग करने का दबाव बनाया है, जिससे वो मधुबाला के करीब रह सकें। पिता के दबाव में मधुबाला को भी मानना ही पड़ा। लेकिन इस बात से फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर बी.आर.चोपड़ा जमकर नाराज हुए। मधुबाला शूटिंग में नहीं पहुंचीं, तो बी.आर.चोपड़ा ने मुंबई के गिरगांव के मजिकस्ट्रेट कोर्ट में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर दी। धोखाधड़ी और कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्होंने 32 हजार रुपए वापस मांगे। उस समय बी.आर.चोपड़ा वैराइटी मैगजीन के एडिटर थे। उन्होंने इस विवाद पर वैराइटी मैगजीन में दो पन्नों का लेख भी लिखा। साथ ही उन्होंने मधुबाला की एक बड़ी सी तस्वीर में लाल काटने का निशान लगाया और लिखा कि अब उनकी जगह वैजयंतीमाला हीरोइन होंगी। मीडिया ने इस खबर को खूब उछाला और मधुबाला की बदनामी हुई। जब सुनवाई शुरू हुई, तो मधुबाला को कठघरे में खड़ा किया। गवाह के तौर पर दिलीप कुमार को बुलाया गया। मधुबाला, उनके साथ रिलेशनशिप में थे, उन्हें उम्मीद थी कि दिलीप कुमार साथ देंगे, लेकिन उल्टा उन्होंने सबके सामने कहा कि मधुबाला पिता के डर से शूटिंग के लिए भोपाल नहीं आईं। अपने खिलाफ गवाही सुनकर एक्ट्रेस टूट गईं। केस 4 महीने रहा, लेकिन बी.आर.चोपड़ा ने बाद में केस वापस ले लिया। लेकिन इस विवाद के बाद मधुबाला को सोहनी महेवाल और सवेरा जैसी फिल्मों से भी निकाल दिया गया। ये फिल्म जबरदस्त हिट रही। विवाद खत्म होने के बाद मधुबाला चाहती थीं कि दिलीप कुमार उनके पिता से माफी मांगे, लेकिन उन्होंने माफी मांगने से इनकार किया और रिश्ता भी खत्म कर लिया। किस्सा-6, प्रिंस फिलिप भारत आए तो देखी बी.आर.चोपड़ा की फिल्म, जवाहरलाल नेहरू ने लिखी चिट्ठी-बी.आर.चोपड़ा उस दौर के ऐसे फिल्ममेकर थे, जो समाजिक मुद्दों को फिल्मों के जरिए जनता तक पहुंचाते थे। चाहे कानून हो, हमराज हो, निकाह या नया दौर। फिल्म नया दौर 1957 में रिलीज हुई थी। फिल्म रिलीज हुए कुछ दिन हुए ही थे कि एक रोज बी.आर.चोपड़ा के दफ्तर में प्राइम मिनिस्टर की ऑफिस से चिट्ठी आई हुई थी। ऑफिस के तमाम लोग घबराए हुए थे। बी.आर.चोपड़ा भी डर गए कि ऐसा तो मैंने कुछ नहीं किया है। इस पर बी.आर.चोपड़ा ने पूछा-क्या हैं तुम्हारी मां। जवाब मिला-साध्वी हैं। गेरुवा वस्त्र पहनती हैं, जो कहती हैं, वही करता हूं। फिल्म लाइन तो सेकेंड्री है। जब गोविंदा ने इनकार किया तो, बी.आर.चोपड़ा ने कहा- तुम्हारी मां पागल हैं। इस पर गोविंदा चिढ़ गए। उन्होंने कहा, उनकी पहली फिल्म शारदा थी, 9 फिल्में कर चुकी हैं, आपकी भी सीनियर हैं। डेडी भी आपके सीनियर हैं। मैं स्ट्रगल कर रहा हूं, जो वो कहती हैं, वही होता है।गोविंदा की मां ये सब सुनकर नाराज हुईं। उन्होंने कहा, जाओ, उनके सामने एक्टिंग करते हुए कहना, मैं आपकी सोच खा गया। गोविंदा ने यही किया। वो उनके दफ्तर गए और कहा- मैं आपकी सोच खा गया। बी.आर.चोपड़ा चिढ़ गए। उन्होंने तुरंत अपने गार्ड्स से कहा, इसे बाहर निकालो, ये पागल है। गोविंदा ने तब कहा, देखिए, आप गोविंदा को बाहर निकाल रहे हैं। 4 नेशनल अवॉर्ड जीते, पद्मभूषण से भी सम्मानित हुए बी.आर.चोपड़ा को फिल्म कानून, धर्मपुत्र, गुमराह और हमराज के लिए 4 नेशनल अवॉर्ड मिले हैं। इसके अलावा उन्हें 1998 में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। साल 2001 में बी.आर.चोपड़ा को पद्मभूषण से सम्मानित किया गया है। इनके अलावा उनके पास 2 फिल्मफेयर अवॉर्ड भी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।